राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार 18 मई 2024 वर्ष-7,अंक-114 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मौसम विभाग का अलट.....

अगले पांच दिन इन राज्यों में चलेगी हीटवेव

नई दिल्ली ।

इन दिनों देश के कई इलाके भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली में गुरुवार को अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। वहीं हरियाणा के सिरसा में अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को देश के कई स्थानों पर तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से लेकर 46 डिग्री सेल्सियस तक रहा। खासकर राजस्थान के अधिकतर इलाकों में, दक्षिणी हरियाणा के कुछ जिलों में, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में भी कुछ स्थानों पर तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान से 2-4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले पांच दिनों तक राजस्थान के कुछ इलाकों, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में 18 से लेकर 21 मई तक गर्म हवाएं चलेंगी। उत्तर मध्य प्रदेश में 18 मई से 21 मई तक लू (हीट वेव) चलने की चेतावनी जारी की गई है। पश्चिमी राजस्थान, पंजाब और हरियाणा और दिल्ली के कुछ इलाकों में 18-21 मई के बीच जानलेवा लू चलने की आशंका है।

मौसम विभाग के अनुसार, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल के कुछ इलाकों में 18 से 21 मई के बीच भारी बारिश की आशंका है। साथ ही 20 मई को केरल में भी भारी बारिश का अनुमान है। दरअसल तमिलनाडु के दक्षिणी तट पर चक्रवाती तूफान के असर से यह बारिश होगी। बारिश के साथ ही 40-50 किलोमीटर प्रतिघंटे की

रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। साथ ही अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, तटीय कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और केरल में भी भारी बारिश का अनुमान है। दक्षिण पश्चिमी मानसून अंडमान सागर में आगे बढ़ रहा है और जल्द ही इसके केरल पहुंचने की संभावना है।

बहुमत का दुरुप्रयोग करना कांग्रेस का इतिहास

प्लान बी की जरुरत ही नहीं......पूर्ण बहुमत से फिर आ रही मोदी सरकार : शाह

नई दिल्ली ।

लोकसभा चुनाव के बीच देश के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक इंटरव्यू दिया है। इस दौरान शाह ने कई सवालों का जवाब दिया है। 'क्या बीजेपी के पास बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंचने की स्थिति में कोई प्लान बी है? शाह ने इसका काफी दिलचस्प जवाब दिया है। उन्होंने कहा है कि 'प्लान बी तभी बनाने की जरूरत है, जब प्लान ए (सफल होने) की 60 प्रतिशत से कम संभावना हो। मुझे यकीन है कि पीएम मोदी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आएंगेज'

अरविंद केजरीवाल के चुनाव प्रचार पर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि 'एक मतदाता के रूप में, मेरा मानना है कि वह जहां भी जाएंगे लोग शराब घोटाले को याद करने वाले हैज्कई लोगों को बड़ी बोतल दिखेगी। केजरीवाल ने प्रचार में कहा कि अगर आप मुझे वोट देते हैं, तब मुझे जेल नहीं जाना पड़ेगा वाले बयान पर शाह ने कहा कि 'इससे बड़ी सुप्रीम कोर्ट की कोई अवमानना नहीं हो सकती है। क्या सुप्रीम कोर्ट (चुनावी) जीत और हार पर फैसला करेगा?'

भाजपा के 400 पार और संविधान में बदलाव की अटकलों पर केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 'हमारे पास पिछले 10 सालों से संविधान बदलने के लिए बहुमत है। ऐसा कभी नहीं कियाज्बहुमत का दुरूपयोग का इतिहास मेरी पार्टी का नहीं है। बहुमत के दुरूपयोग का इतिहास, इंदिरा गांधी के समय कांग्रेस ने किया। लेकिन हां, हम 400 सीटें चाहते हैं क्योंकि हम देश की राजनीति में स्थिरता लाना चाहते हैं। क्योंकि हम देश की सीमाओं को सुरक्षित रखना चाहते हैं हम यूसीसी लाना चाहते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि जो लोग धारा 370 पर सवाल उठाते हैं, मैं उनसे कहना चाहूंगा कि मतदान 40 प्रतिशत से अधिक हो गया है। धारा 370 (हटाने) के लिए इससे बड़ी कोई सफलता नहीं हो सकती है। सभी चरमपंथी समूह के नेता जा रहे हैं और वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदार बने, पहले चुनाव के बहिष्कार के नारे लगते थे लेकिन आज शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव हो रहे हैं।'

शराब नीति मामले में ईडी ने आप को आरोपी बनाया

-केजरीवाल गिरफ्तारी मामले में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर शुक्रवार 17 मई को सुनवाई पूरी करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया। दरअसल सीएम केजरीवाल ने शीर्ष कोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। इस पर सुनवाई पूरी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि केजरीवाल जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान ईडी ने कोर्ट को बताया कि शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाया गया है। इसके कुछ देर बाद ही ईडी की एक टीम दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंची और शराब नीति मामले में 8वीं सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की। इस चार्जशीट में सीएम केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का नाम शामिल था। यहां जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की डबल बेंच ने केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई पूरी की। कोर्ट में ईडी की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और केजरीवाल की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी ने अपनी दलीलें रखीं। गौरतलब है कि जांच एजेंसी ने 21 मार्च को सीएम केजरीवाल को पूछताछ के दौरान ही अरेस्ट कर लिया था। इस मामले में केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को 21 दिन यानी 01 जून तक के लिए अंतरिम जमानत प्रदान कर दी है।

कपिल सिब्बल के सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष बनने पर बधाईयों का लगा तांता

-ममता बनर्जी ने दी बधाई कहा-लोकतंत्र के लिए अपनी जंग जारी रखें

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बन गए हैं। सिब्ब्ल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को भारी मतों से हराकर एससीबीए के अध्यक्ष पद पर अपना कब्जा जमा लिया है। सिब्बल ने दो दशक बाद यह चुनाव लड़ा था। सिब्ब्ल की इस जीत के बाद पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने उन्हें बधाई। हम सबकी मदद से इस महत्वपूर्ण संस्था में आपकी जीत से गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। हम सभी के लिए लोकतंत्र के लिए अपनी इस जंग को जारी रखें।

वहीं, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी इस जीत पर कपिल सिब्बल को बधाई देते हुए कहा कि बधाई सर, बहुत ही बेहतरीन खबर है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि कपिल सिब्बल भारी मतों से सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए हैं। ये उदार, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और प्रगतिशील ताकतों की बड़ जीत है। जयराम ने कहा कि निवर्तमान प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें तो ये राष्ट्रीय स्तर पर जल्द ही होने वाले बदलावों का एक ट्रेलर है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के चुनाव में सिब्बल को कुल 2350 में से 1066 वोट मिले हैं जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप राय 689 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। बता दें कि कपिल सिब्बल दो दशक बाद इस चुनाव में उतरे थे। इससे पहले वह 1995, 1997 और 2001 में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं।

- सीएए लागू होने के बाद बांटे नागरिकता के प्रमाण पत्र

14 प्रवासी बने भारतीय नागरिक, चेहरे पर नजर आई खुशी

नई दिल्ली।

देश की राजधानी दिल्ली के आदर्श नगर और मजनू का टीला, ये दो जगह दिल्ली में ऐसी हैं जहां पाकिस्तान से आए शरणार्थी निवास करते हैं। अब तक इन शरणार्थी शिविर में वहां से आए हिंदू बे-वतन की तरह रह रहे थे, लेकिन अब इनके खुद के स्थाई घर होंगे। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि 14 लोगों को नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत भारतीय नागरिकता दे दी गई। पाकिस्तान में उनके साथ हुए अत्याचार को भूल गए जब उन्हें भारत की नागरिकता मिली तो उनके चेहरे पर एक अलग खुशी नजर आई । एक दशक से ज्यादा समय से किसी देश के नागरिक ना होने के बाद, इन शिविरों के रह रहे लोगों ने जब अपने सपनों को पूरा होते हुए देखा तो वो बहुत खुश हुए। केंद्र सरकार की ओर से 12 मार्च को सीएए लागू करने के बाद बुधवार को प्रवासियों को भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र बांटे गए। माधव, चंद्रकला, बवाना और लक्ष्मी उन लोगों में शामिल थे जिन्हें नागरिकता के कागजात मिले। ब्रह्म दास को अभी तक भारतीय नागरिकता नहीं मिली है, लेकिन शिविर में उनके पड़ोसियों को नागरिकता का प्रमाण पत्र मिलने पर उन्होंने खुशी जाहिर की। ब्रह्म का परिवार 2013 में सिंध के मटियारी जिले से 60 अन्य प्रवासियों के साथ मजनू का टीला शिविर में आया था। उन्होंने कहा कि सारे जरूरी कागजी कार्रवाई कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही उन्हें भी नागरिकता का प्रमाण पत्र मिल जाएगा। जिन लोगों को भारतीय नागरिकता मिल गई है वह और उनकी आने वाली पीढ़ियां ऐसे देश में रहेंगी, जो उन्हें सम्मान देता है। जो लोग वहां रह गए हैं। ब्रह्म को सिंध के मटियारी और अन्य जगहों पर रह रहे अपने कई रिश्तेदारों की फिक्र सताती रहती है।

स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एलसीए के मार्क-1 ए जल्द वायुसेना में होगा शामिल

-एचएएल ने पिछले माह लड़ाकू विमान की पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की थी

नई दिल्ली।

स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस (एलसीए) के मार्क 1ए का पहला विमान जुलाई माह तक हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा भारतीय वायुसेना को सौंपा जा सकता है। इस विमान को पहले फरवरी-मार्च में वायुसेना को सौंपा जाना था, लेकिन तकनीकी कारणों से इसमें देरी हुई है।

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायुसेना और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एचएएल ने हाल ही में लड़ाकू विमान तेजस की समीक्षा की है और अब इसे जुलाई 2024 तक वायुसेना को सौंपने की उम्मीद जताई जा रही है। उन्होंने बताया कि एचएएल ने पिछले महीने लड़ाकू विमान की पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की थी और वायुसेना को सौंपने से पहले कई परीक्षणों को भी पूरा किया जाएगा। इस स्वदेशी लड़ाकू विमान को शामिल करना रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यभार संभालने के बाद एलसीए मार्क 1ए परियोजना की परिकल्पना की गई थी। पहले ही 83 विमानों के लिए 48,000 करोड़ रुपए का एक ऑर्डर दिया जा चुका है और इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 97 विमानों के लिए 65,000 करोड़ रुपए का एक और ऑर्डर दिए जाने की उम्मीद है। रक्षा मंत्रालय ने पहले ही एचएएल को 97 स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस मार्क 1ए खरीदने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। यह टेंडर भारत सरकार द्वारा स्वदेशी सैन्य उपकरणों के लिए दिया गया अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है।

सरकारी अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यक्रम का लक्ष्य भारतीय वायुसेना के मिग-21, मिग-23 और मिग-27 विमानों के बेड़े को बदलना है। रक्षा मंत्रालय और वायुसेना मुख्यालय दोनों के समर्थन से स्वदेशी लड़ाकू विमान कार्यक्रम से स्वदेशीकरण के प्रयासों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है और देशभर में रक्षा क्षेत्र में लगे छोटे और मध्यम उद्यमों को पर्यावरण व्यापार के अवसर प्रदान करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ देश भर में रक्षा क्षेत्र में लगे छोटे और मध्यम उद्योगों को ज्यादा व्यवसाय देने के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन होगा।

पहला कॉलम

केंद्र सरकार ने वृद्धाश्रम के लिए बनाई नई गाइडलाइन

सभी कलेक्टरों को भेजे निर्देश

नई दिल्ली । केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्रालय की ओर से नई गाइडलाइन जारी की गई है। इस गाइडलाइन को सभी राज्य सरकारों और सभी जिला कलेक्टरों को भेजा गया है। सभी वृद्ध आश्रमों के लिए विभिन्न क्षेत्रों के नियम तय किए गए हैं। हर वृद्ध आश्रम में कंप्यूटर,इंटरनेट,वाई-फाई अनिवार्य किया गया है। हर वृद्धाश्रम में आइसोलेशन रूम, नियमित जांच, डॉक्टरी सुविधा, पोषक आहार और सुरक्षा के मानक तैयार किए गए हैं। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता समाप्त होने के बाद केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी वृद्धाश्रम का अपग्रेडेशन किया जाएगा। देश में इस समय 5047 वृद्धाश्रम है। सबसे ज्यादा बुजुर्ग केरल के वृद्धाश्रम में रहते हैं। प्रत्येक आश्रम में जिओ ट्रैगिंग अनिवार्य किया गया है। रोशनी, हवा-पानी के मानक भी तय किए गए हैं। परिवार जनों से मुलाकात के लिए अलग रूम और 45 मिनट की मुलाकात का समय निर्धारित किया गया है। बीमार वृद्ध को आइसोलेशन रूम में रखने की व्यवस्था की गई है। वृद्धाश्रम में सामाजिक कार्यक्रम पर चर्चा, वोकेशन ट्रेनिंग और अन्य गतिविधियों को भी अनिवार्य किया गया है। जून माह से बुजुर्गों की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए केंद्रीय गाइडलाइन का पालन करना सभी के लिए अनिवार्य होगा।

मध्य प्रदेश की स्थिति

मध्य प्रदेश में 163 वृद्धाश्रम है। 90 फ़ीसदी की हालत बहुत खराब है। सरकार से अनुदान लेकर चलने वाले और सरकार द्वारा स्वयं चलाये जाने वाले सभी वृद्ध आश्रमों के लिए नए नियम लागू किए गए हैं। जिनका पालन सभी के लिए अनिवार्य किया गया है।

पटना में मासूम की हत्या पर बवाल, भीड़ ने स्कूल में लगाई आग

पटना। यहां एक स्कूल में मासूम की हत्या के बाद लोगों का गुस्सा भड़क गया है। गुस्साए लोगों ने टिनी टोन स्कूल में आग लगा दी है। जानकारी के मुताबिक पॉलसन निवासी शैलेंद्र राय का बेटा आयुष कुमार कल स्कूल गया था। क्लास खत्म होने के बाद छात्र उसी स्कूल में ट्यूशन भी पढ़ता था। लेकिन जब शाम को बच्चा घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद बच्चे का शव रात करीब 3 बजे स्कूल के पास नाले से बरामद हुआ। जिसके बाद परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।वहीं इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने सुबह रोड जाम कर दी, और फिर स्कूल में आग लगी दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया है। पटना सिटी एसपी चंद्रप्रकाश और डीएसपी मौके पर मौजूद हैं।इससे पहले दीघा पॉल्सन रोड पर पुलिस की मौजूदगी ना होने से अराजकता की स्थिति हो गई थी। एंबुलेंस को भी नहीं जाने दिया जा रहा है।प्रदर्शनकारी राहगीरों से भी मारपीट कर रहे थे। हालांकि अभी तक हत्या की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। आखिर किस वजह से 4 साल के मासूम आयुष की हत्या की गई। 4 साल के आयुष कुमार का शव स्कूल ड्रेस में नाले में मिला था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

टीएमसी के दो नेताओं के घर सीबीआई का छापा

- यह छापेमारी विस चुनाव के बाद हुई हिंसा मामले में की गई

कोलकाता। सीबीआई ने आज टीएमसी नेताओं के ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी साल 2021 में चुनाव के बाद हुई हिंसा के मामले में की गई है। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा में बीजेपी के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। सीबीआई टीम ने काठी ब्लॉक नंबर-3 में टीएमसी नेता देबब्रत पांडा के घर छापा मारा इसके साथ ही दूसरे ब्लॉक में टीएमसी नेता नंददुलाल मैती के घर पर भी कार्रवाई की गई। सीबीआई अफसर ने बताया कि पांडा और नंददुलाल के बेटे का नाम 52 अन्य आरोपियों के साथ एफआईआर में दर्ज है। हिंसा में बीजेपी कार्यकर्ता जन्मेजय दुलाई की मौत हुई थी इस हत्या से जुड़े आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ भी होगी। अधिकारियों के मुताबिक विधानसभा चुनाव बाद हिंसा मामले में 30 आरोपियों को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन कोई भी नहीं पहुंचा, जिसके बाद सीबीआई ने छापेमारी की कार्रवाई की। मई 2021 को पश्चिम बंगाल विधानसभा के नतीजे आने के साथ ही बंगाल में हिंसा की घटनाएं हुईं। खासकर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया। हिंसा के डर से कई बीजेपी कार्यकर्ताओं ने अपने घर छोड़कर चले गए थे। हिंसा के डर से राजनीतिक कार्यकर्ताओं के घर छोड़ने का मामला कलकत्ता हाईकोर्ट भी पहुंचा था।

संपादकीय

उदारता से नागरिकता

नागरिकता संशोधन अधिनियम अर्थात सीएए के तहत नागरिकता देने की शुरुआत सुखद और स्वागतयोग्य है। देश में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो भारतीय नागरिकता के हकदार हैं। ऐसे लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा में लाने के लिए ही सीएए लाया गया है। विगत चार वर्ष से इसका विरोध हो रहा था, तो इसे लागू करने की मांग भी सुनाई पड़ती थी। अंततः केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नागरिकता प्रमाणपत्र का पहला सेट बुधवार को जारी कर दिया, जिसके तहत नई दिल्ली में 14 आवेदकों को प्रमाण पत्र सौंपे गए। जाहिर है, केंद्र सरकार के इस कदम से नागरिकता की आस लगाए बैठे लोगों को अपार खुशी हुई होगी। अगर यही कवायद पहले शुरू होती, तो अब तक ज्यादा लोग लाभान्वित हुए होते। दरअसल, सीएए का विरोध इतना तीव्र था कि केंद्र सरकार ने कानून तो बना दिए, पर नियम तय न हो सके। इसी साल नियम तय हुए और नागरिकता देने की शुरुआत हुई है। नागरिकता संशोधन नियम, 2024 के बारे में देशवासियों को पूरी तरह से जागरूक रहना चाहिए। जो विदेशी भारत में बगैर वैधता रह रहे हैं, उनको जरूरत और इंसाफ के आधार पर नागरिकता लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए। कोई आश्चर्य नहीं, जिन लोगों को नागरिकता मिली है, उनकी खुशी पर गौर करना चाहिए। जिनको नागरिकता दी गई है, उनमें से ज्यादातर पाकिस्तान से बहुत कष्ट भोगने के बाद भारत आने को मजबूर हुए थे और दशक भर से ज्यादा समय से नागरिकता का इंतजार कर रहे थे। ध्यान रहे, इस अधिनियम के तहत, सरकार ने बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में सताए गए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को आसानी से भारतीय नागरिकता देने का फैसला किया है। नागरिकता पहले भी मिलती थी, पर अब उसमें तेजी आ जाएगी। बहरहाल, सीएए के विरोध को भी समझने की जरूरत है। ऐसे लोग हैं, जो हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई के साथ ही मुस्लिमों को भी भारतीय नागरिकता की सुविधा देने के पक्ष में हैं। ऐसे लोग भारत को धर्मनिरपेक्ष देश के रूप में देखते हैं और पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान में सताए जाने वाले मुस्लिमों के लिए भी भारत के दरवाजे खुले रखना चाहते हैं। खांटी सांप्रदायिक आधार पर बने तीन पड़ोसी देशों के बीच धर्मनिरपेक्ष भारत से जैसी विशेष उदारता की उम्मीद की जा रही है, उस पर व्यापक बहस की गुंजाइश से भला कैसे इनकार किया जा सकता है? निस्संदेह, आगामी पांच वर्ष में केंद्र सरकार के लिए यह विचारणीय विषय हो सकता है। एक पहलू यह भी है कि सीएए को रद्द कर देने की भी बात हो रही थी। हालांकि, रद्द करने का फैसला समयानुकूल नहीं होगा, इसमें बहुमत के आधार पर संशोधन की कोशिश पर्याप्त रहेगी। यह कानून विदेशियों नहीं, बल्कि भारतीयों के बीच लोकप्रिय होना चाहिए। इसकी लोकप्रियता इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकारी एजेंसियां इसे कैसे लागू करती हैं। नागरिकता अपने आप में बहुत बड़ा व संवेदनशील विषय है। मजबूर होकर भारत आए लोग संवेदना के भूखे हैं। अगर उन्हें वैधता हासिल होती है, तो वे अपने नए देश की तरक्की के लिए ज्यादा मन से काम करेंगे। भारत पहुंचकर किसी भी सताए गए व्यक्ति को प्रेम का अनुभव होना चाहिए, नफरत का नहीं, पर जो लोग अवैधता, अलगाव और द्वेष के साथ यहां रहना चाहते हैं, उनके प्रति कानून की हथेलियां खुरदुरी ही रहें, तो बेहतर है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के

गारंटी में शामिल हो खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता भी

देविंदर शर्मा

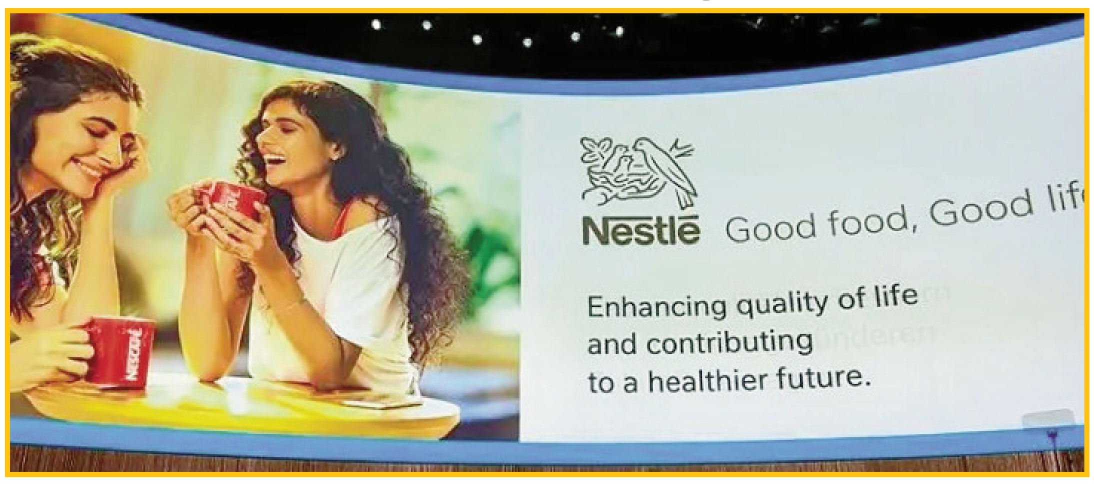

स्ले इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन द्वारा बेबी फूड फॉर्मूलेशन में चीनी की अधिक मात्रा के आरोपों को 'नस्लीय तौर पर रूढ़िबद्ध धारणा' और असत्य के रूप में नकारने को संदेहास्पद के तौर पर ही लिया जाना चाहिए। मीडिया में उनके हवाले से कहा गया कि पोषण पर्याप्तता अध्ययन करने के लिए कोई स्थानीय दृष्टिकोण नहीं है। विश्व स्तर पर उम्र के हिसाब से व्यंजन तैयार किए गए हैं जहां बढ़ते बच्चों को ऊर्जा सघन उत्पादों की आवश्यकता होती है। इसलिए यूरोपीय बच्चे और भारत या दुनिया के किसी अन्य हिस्से में एक बच्चे के बीच भेद नहीं किया जाता है। नारायणन स्विटजरलैंड स्थित एनजीओ थर्ड आई और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क (आईबीएफएएन) की रिपोर्ट में कंपनी पर दोहरे मानदंड अपनाने संबंधी आरोपों के बारे में प्रकाशित समाचारों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। जिसके मुताबिक यूरोप में बेचे जाने वाले उत्पादों की तुलना में भारत व विकासशील देशों में बेचे जाने वाले शिशु-आहार अनाजों (सेरेलैक) में चीनी की उच्च मात्रा विद्यमान है। 'भारत में हमें आवश्यकता है, यही कारण है कि हमने इसे शामिल किया है, लेकिन उन स्तरों पर जो स्थानीय नियामक द्वारा निर्दिष्ट की तुलना में भी बहुत कम हैं और मुझे लगता है कि किसी को भरोसा रखना होगा कि स्थानीय नियामक जानता है कि क्या है जो हम वहां डाल रहे हैं। इसलिए ऐसा नहीं है कि मानकों में यह कोई नाटकीय बदलाव किया गया है।' वे कहते हैं कि 'मातृ आहार की कुछ आदतों, कच्चे माल की स्थानीय उपलब्धता व स्थानीय नियामक की जरूरतों जैसी अलग-अलग धारणाओं' के आधार पर फॉर्मूलेशन को स्थानीय रूप से उत्पाद में ढाला जाता है।' इस बयान के जरिये जो कुछ भी कहा गया है यदि वह सच है, तो कोई कारण नहीं दिखता कि उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय को नियामक एजेंसी - भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को नेस्ले के खिलाफ 'उचित कार्रवाई' का निर्देश देना चाहिए था। निर्देश के बाद, एफएसएसएआई ने नेस्ले बेबी फूड उत्पादों की संरचना से संबंधित विवाद की जांच पहले ही शुरू कर दी है। और मैं यहां यह भी जोड़ना चाहूंगा, आरोपों की जांच के लिए सख्त निर्देश के बावजूद यकीन नहीं है कि वादे के मुताबिक जांच अपने तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचेगी। यदि एफएसएसएआई ने पहले तो अपने कड़े मानक तय करने में सख्ती से काम लिया होता, फिर इसके साथ ही कड़ाई से इनको लागू किया होता, तो कोई भी विशाल खाद्य कंपनी भारतीय बाजार को इतने हल्के रूप में न लेती। मैं यहां उस बयान को दोहरा रहा हूं- आरोपों के खंडन संबंधी नेस्ले का वह बयान स्वयं ही स्पष्ट तौर पर दोषों को उजागर करता है जब वह कहता है, 'भारत में हमें आवश्यकता है, यही कारण है कि हमने इसे मिलाया है, लेकिन उन स्तरों पर जो यहां तक कि स्थानीय नियामक द्वारा निर्दिष्ट स्तर से भी बहुत कम हैं।' यदि आप इस कथन को देखें, तो यह सवाल तुरंत उठता है कि भारत में ऐसी आवश्यकता कहां है जिसने कंपनी को शिशु आहार में चीनी की ज्यादा मात्रा डालने के लिए प्रेरित किया? बेबी फूड कंपनियों को भारत में बेचे जाने वाले अपने उत्पादों में अधिक चीनी मिलाने के लिए आखिर कहा किसने है? मैंने भारत में पोषण संबंधी संस्थाओं का कोई अध्ययन या रिपोर्ट ऐसी नहीं देखी जो शिशु आहार में ऊर्जा प्रदाता के तौर पर ज्यादा मात्रा में चीनी मिलाने की जरूरत बताता हो। वहीं, नेस्ले का कहना है कि उसने प्रति 100 ग्राम फ़ीड में केवल 7.1 ग्राम चीनी डाली है, और वह भी एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित 13.6 ग्राम की स्वीकार्य सीमा के मुकाबले बहुत कम, यह बयान मामले का एक और गंभीर पहलू उजागर करता है। इससे पता चलता है कि एफएसएसएआई के मानक कितने ढीले हैं, जिससे एक हाथी को भी गुजरने की इजाजत मिल जाती है। एफएसएसएआई को वह डेटा जारी करने के लिए कहा जाना चाहिए जिसके आधार पर उसने शिशु आहार में चीनी की स्वीकार्य सीमा निर्धारित की है। एफएसएसएआई को इससे बच निकलने नहीं दिया जा सकता है। एफएसएसएआई ने मानक तय करने के लिए 26 वैज्ञानिक समितियां गठित की हैं और फिर भी यदि मानदंडों में इतनी ढील दी गई है तो यह स्पष्ट हो जाता है कि 'हितों का टकराव' अक्सर चर्चा की तुलना में कहीं अधिक बड़ा है।

जैसा कि वरिष्ठ विज्ञान टिप्पणीकार दिनेश सी शर्मा कहते हैं - 'वर्षों से, उपभोक्ता समूह और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ उच्च नमक, चीनी और वसा वाले खाद्य उत्पादों के लिए एक अलग हेल्थ लेबल की मांग कर रहे हैं, लेकिन खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण और उद्योग ने लगातार इसका विरोध किया है। दूसरी ओर, नियामक अकसर उद्योग की मांगों को पूरा करने और यहां तक कि उनके उत्पादों का समर्थन करने में भी तत्पर रहता है, जो कि उसके लिए अनिवार्य नहीं है।' इससे पता चल जाता है कि कार्पोरेशंस सार्वजनिक नीति को कैसे प्रभावित करते हैं। हालांकि हरेक व्यक्ति को चीनी के सेवन के प्रति सचेत रहना महत्वपूर्ण है, लेकिन इसका अधिकांश हिस्सा प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में छिपा रहता है। यहां तक कि एक सजग उपभोक्ता के लिए भी अतिरिक्त चीनी की पहचान करना मुश्किल होगा। चूंकि कई अध्ययनों से पता चला है कि चीनी के लिए कम से कम 56 अलग-अलग नाम हैं जो आम तौर पर उपभोक्ताओं को धोखा देने के लिए उपयोग किए जाते हैं, लेकिन कम से कम एफएसएसएआई को इन्हें पढ़ने में सक्षम होना चाहिए और इससे होने वाले नुकसान को जानते हुए इसके उपयोग को काफी हद तक प्रतिबंधित करना चाहिए। यहां मैं केवल मधुमेह के बारे में बात नहीं कर रहा हूं जिसके होने के जोखिम कारकों में बहुत अधिक चीनी का सेवन जुड़ा है, बल्कि जैसा कि जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि आनुवंशिक कारकों के अलावा, यहां तक कि चीनी आधारित मीठे पेय भी पुरुषों में बालों के झड़ने की वजह बन सकते हैं। यह सब किस दिशा में लेकर जायेगा खासकर तब जब पिछले कुछ सालों से जंक फूड की खपत में भारी उछाल देखा जा रहा है? यदि एफएसएसएआई एक सख्त नियामक के रूप में उभर सकता है, तो औसत उपभोक्ता सुपरमार्केट से जो कुछ भी खरीद रहा है उसके प्रति संतुष्ट हो जाएगा, यह जानने के चलते कि यह सुरक्षित और हेल्दी है। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। उपभोक्ताओं का एक प्रमुख वर्ग जानता है कि वह जो प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खरीद रहा है वह स्वास्थ्यवर्धक नहीं है, लेकिन उसके पास विकल्प बहुत कम हैं। वैश्विक अध्ययनों से हमें पता चला है कि भारत, और छह अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं, में उपलब्ध 89 प्रतिशत प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य के हिसाब से सही नहीं हैं। हम पहले ही ऐसी स्थिति में हैं जहां बालपन में भूख के मुकाबले इस उम्र का मोटापा बड़ी समस्या बनने जा रहा है। दूसरी ओर, भारत पहले से ही वयस्कों में मोटापे के मामले में शीर्ष पांच देशों में शामिल है। रिपोर्टों में कहा गया है कि अनुमानित रूप से 135 मिलियन भारतीय या तो मोटे हैं या फिर अधिक वजन वाले हैं। बेशक, इसके लिए पूरी तरह से खान-पान संबंधी आदतें और उपभोग जिम्मेदार नहीं हैं, लेकिन भोजन की गुणवत्ता को नियंत्रित करने का 'चलता है' वाला रवैया अधिक से अधिक लोगों को इस जंजाल में धकेल रहा है। तत्काल आवश्यकता एफएसएसएआई को एक ऐसी संस्था में बदलने की है जिस पर देश भरोसा कर सके। इसके लिए भले ही मौजूदा ढांचे में बदलाव की बात आये, तो हमें यह करना ही होगा। देश को इसी गारंटी की आवश्यकता है।

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

मोदी के बाद फिलहाल मोदी ही ,और कोई नहीं

(लेखक - राकेश अचल)

7 दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बहुत छलिया हैं । उन्होंने भाजपा और आरएसएस के साथ ही प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी की दुखती रग को छेड़ दिया है। केजरीवाल ने कहा है कि मोदी जी की तो रिटायरमेंट की उम्र हो चुकी है ,उनके बाद कौन उनकी दी जा रही गारंटियां लेगा ? केजरीवाल को ऐसा नहीं कहना चाहिए ,क्योंकि मोदी जी आम आदमी पार्टी का नहीं भारतीय जनता पार्टी का अंदरूनी मामला हैं। केजरीवाल की टिप्पणी के बाद पूरी भाजपा बिलबिला गयी है ,लेकिन केंद्रीय गृहमंत्री और मोदी जी के हनुमान श्री अमित शाह से नहीं रहा गया । उन्होंने कह ही दिया कि मोदी जी अभी रिटायर होने वाले नहीं हैं,वे 2029 तक देश के प्रधानमंत्री रहेंगे। शाह साहब आखिर मोदी जी के बारे में इससे ज्यादा क्या कहते ? वे ये तो नहीं कह सकते थे कि मोदी जी 2034 तक प्रधानमंत्री रहेंगे या 2047 तक ? शाह साहब को खुद नहीं पता कल के बारे में । लेकिन मैं चाहता हूँ कि मोदी जी कब तक प्रधानमंत्री रहेंगे ये भाजपा या शाह या केजरीवाल पर नहीं खुद मोदी जी के ऊपर छोड़ देना चाहिए। कोई उन्हें लालकृष्ण आडवाणी जी की तरह धकियाकर प्रधानमंत्री बने ये मुझे बर्दाश्त नहीं।

भारत की राजनीति में जैसे कांग्रेस के राहुल गांधी मोदी जी के सिर पर सवार एक भूत हैं ठीक उसी तरह मोदी जी का भूत राहुल गांधी के ही नहीं बल्कि पूरे विपक्ष और देश की 37 फीसदी आबादी के सिर पर सवार हैं। भूत होना कोई बुरी बात नहीं है। भूत ही अभूतपूर्व होता है। मोदी जी को नाश्ते में हर रोज दो किलो गालियां लगतीं हैं, वे अभूतपूर्व होने पर भी मिल रहीं है और भूतपूर्व होने पर भी आसानी से मिलेंगीं। जैसे मोदी जी दस साल बाद भी हर असफलता के लिए कांग्रेस की सरकार और देश के पहले प्रधानमंत्री से लेकर सत्रहवें प्रधानमंत्री को कोसते रहते हैं ,उन्हें भी वही उपचार उपलब्ध रहेगा। दरअसल मोदी जी को लेकर देश ही नहीं पूरी भाजपा और भाजपा की जननी आरएसएस बुरी तरह से उलझ गयी है । दोनों के पास इस सवाल का कोई फौरी जबाब नहीं है कि - मोदी के बाद कौन ? इस सवाल पर दोनों संस्थाएं मौन हैं। तय है कि मोदीजी के बाद कोई तो होगा ? किन्तु किसी में इतना साहस नहीं है कि वो मोदी जी के सामने ये घोषणा कर सके कि मोदी के बाद फलां साहब भाजपा की और से प्रधानमंत्री के प्रत्याशी होंगे। ये समस्या ठीक वैसी ही है जैसी कि कांग्रेस में है। कांग्रेस में - राहुल के बाद कौन पर सब मौन रहते हैं। ? हालाँकि कांग्रेस में राहुल के बाद उनकी बहन खड़ी नजर आतीं है लेकिन भाजपा में तो मोदी के बाद कोसों ,मीलों दूर तक केवल और केवल मोदी जी ही दिखाई देते हैं। मुझे तो कभी -कभी लगता है कि आज भी मोदी के आगे या पीछे केवल मोदी जी ही हैं। ठीक उसी तरह जैसे तीतर के आगे दो तीतर ,तीतर के पीछे दो तीतर होते हैं यानि आगे तीतर ,पीछे तीतर। अब बोलो कितने तीतर ? भाजपा में मोदी एक नहीं अनेक का प्रतीक हैं। वे अपने पूर्ववर्ती अटल बिहारी बाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ही नहीं अपितु संघ के संस्थापक से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जायेंगे। भाजपा चाहकर भी मोदी जी को किसी कालपत्र में रखकर जमीदोज नहीं कर सकती।

कालपात्र बनाने और उसे जमीदोज करने का सिलसिला तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने शुरूकिया था मुझे लगता है कि अरविंद केजरीवाल खामखां माननीय मोदी जी से उलझ रहे हैं। उन्हें खुछ ख़ास हासिल नहीं होगा सिवाय इसके कि वे भी मोदी जी की तरह दिल्ली वालों से अपने लिए तीसरा कार्यकाल मांगेंगे। क्योंकि आम आदमी पार्टी में भी केजरीवाल के बाद कोई नहीं है । और अगर हैं तो इतने हैं कि केजरीवाल के बाद खुद आपस में लड़-भिड़कर समाप्त हो जायेंगे। हाँ केजरीवाल के पास एक विकल्प है जो मोदी जी के पास नहीं है । केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता को दिल्ली की राबड़ी देवी बना सकते हैं ,लेकिन मोदी जी ऐसा सात जन्म में भी नहीं कर सकते। क्योंकि उन्होंने अपने पहले जन्म में ही अपनी पत्नी का त्याग कर दिया। अपने उत्तराधिकारी के रूप में पत्नी को बैठने की इस परम्परा के लिए भारत की राजनीति माननीय लालू प्रसाद यादव की सदियों तक आभारी रहेगी। लालू जी को इसी अभिनव प्रयोग के लिए भारतरत्न मिलना चाहिए था। बहरहाल अभी लोकसभा चुनाव के तीन चरण शेष हैं। तीन चरण के बाद आठवां चरण मतगणना का होग। इसी के बाद पता चलेगा कि देश को मोदी के किसी उत्तराधिकारी की जरूरत है भी या नहीं ? वैसे जैसे पति-पत्नी की जोड़ी बनाने का काम ऊपर वाला करता है वैसे ही उत्तराधिकारी बनाने का काम भी किसी न किसी के हाथ में तो होगा ही। अब नेहरू जी कौन सा शास्त्री जी को अपना उत्तराधिकारी घोषित करके गए थे ,लेकिन वे नेहरू जी के उत्तराधिकारी बने । ऐसे ही शास्त्री जी के बाद इंदिरा गाँधी को भगवान ने ही शास्त्री जी का उत्तराधिकारी बनाया कि नहीं ?

इंदिरा जी के बाद मोरारजी भाई या चौधरी चरण सिंह को किसी ने भी इंदिरा गाँधी का उत्तराधिकारी नहीं बनाया था लेकिन वे बने। उत्तराधिकार किस्मत से मिलता है। जैसे राजीव गांधी के बाद वीपी सिंह को मिला । वीपी सिंह के बाद चंद्रशेखर, नरसिम्हाराव और अटल बिहारी बाजपेयी को मिला। देवगौड़ा ,इंद्रकुमार गुजराल और डॉ मनमोहन सिंह को मिला। खुद नरेंद्र मोदी जी को मिला। ऐसे ही केजरीवाल को परेशान नहीं होना चाहिए कि मोदी जी के बाद कौन उनका उत्तराधिकारी होगा। फिलहाल अगर ताकत है तो पहले मोदी जी को अभूतपूर्व से भूतपूर्व बनाने की जुगत बैठाइये ,अन्यथा घर बैठिये।

विचार मंथन

ईडी के पैरों पर सुप्रीम कोर्ट ने डाली बेड़ियाँ

(लेखक - सनत जैन)

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईड़ी के अधिकारियों द्वारा जिस तरह से पीएमएलए कानून में गिरफ्तारियां की जा रही थी। गिरफ्तारी करने के बाद सबूत तलाशे जाते थे। जिन लोगों को ईड़ी गिरफ्तार कर लेती थी। उन्हें महीनो और सालों तक जांच और चार्ज शीट पेश करने के नाम पर जेल में बंद रखकर प्रताड़ित किया जाता था। दिल्ली के शराब घोटाले मामले में 2 साल से आरोपी जेल में बंद है। हनुमान जी की पूंछ की तरह शराब घोटाले में आरोपियों और गिरफ्तारियो की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही थी। ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से पीएमएलए कानून में विशेष प्रावधान होने के कारण न्यायपालिका जमानत नहीं दे सकती थी। ईड़ी की कार्यप्रणाली को लेकर धीरे-धीरे खुलासे हुए। तब जाकर सुप्रीम कोर्ट को समझ आया, केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) कानून मे मिले विशेष अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे हैं। बिना नियम कानून का पालन किये मनमाने तौर पर आरोपियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। मनी लॉन्ड्रिंग कानून में दोहरे प्रावधान होने के कारण आरोपियों को दो अलग-अलग परीक्षण से गुजरना होता था। ईड़ी के अधिकारी पीएमएलए कानून की धारा 19 तथा धारा 45 के नियमों के तहत मिले विशेष अधिकारों का दुरुपयोग कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जवल भुईया की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के पश्चात ईड़ी के अधिकारियों के पैरों पर कानून की बेडियां पहना दी हैं। अब ईड़ी के अधिकारी कानून के तहत मिले विशेष अधिकारों का दुरुपयोग नहीं कर पाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के ही न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपंकर दत्ता की खंडपीठ ने अरविंद केजरीवाल के मामले में भी अंतरिम जमानत देकर, ईड़ी की कार्य प्रणाली और ईड़ी के अधिकारियों द्वारा कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर जमकर लताड़ लगाई थी। ईड़ी के अधिकारियों द्वारा जो मनमानी की जा रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उस पर रोक लग जाएगी। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी अब धारा 19 में किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे, जब तक इसकी अनुमति स्पेशल कोर्ट से न ली गई हो। गिरफ्तारी के पहले अधिकारियों को न्यायालय में सबूत प्रस्तुत करने होंगे। न्यायालय की संतुष्टी होने पर गिरफ्तारी की अनुमति मिलेगी। बिना सबूत, केवल आरोप के आधार पर अब किसी की गिरफ्तारी संभव नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है, जो आरोपी कोर्ट के सामने पेश हो जाता है। उसके संबंध में कोई भी निर्णय करने का अधिकार केवल न्यायपालिका को होगा। किसी भी कार्यवाही के लिए विशेष अदालत से ईड़ी को पूर्व अनुमति लेना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्णय दिया है। उसके अनुसार कोर्ट पहले सरकारी वकील को सुनेगा। उसके बाद यदि कोर्ट संतुष्ट होगी, आरोपी दोषी नहीं है, या उसकी गिरफ्तारी जरूरी है। ऐसे सभी मामलों में न्यायालय द्वारा निर्णय लिए जाएंगे। अदालत को ऐसा लगता है, जमानत मिलने के बाद आरोपी अपराध नहीं करेगा। तो विशेष अदालत (ट्रायल कोर्ट) भी आरोपी को जमानत दे सकेगी। पिछले दो-तीन वर्षों में ईड़ी के अधिकारियों का खौफ सारे देश में सभी वर्गों के ऊपर फैल गया था। पीएमएलए कानून में लंबे समय तक जमानत नहीं होती थी। दोहरे कानून होने के कारण न्यायालय से भी गिरफ्तार व्यक्तियों को जमानत नहीं मिल पा रही थी। विपक्ष लगातार आरोप लगाता था, सरकार के इशारे पर ईड़ी के अधिकारी विपक्षी दलों के नेताओं पर जानबूझकर आरोप के आधार पर जेल भेज रहे हैं। गिरफ्तारी के बाद डरा -धमका कर बयान लेने और सबूत जुटाने का प्रयास ईड़ी के अधिकारी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से ईड़ी का जो खौफ विपक्षी दलों के नेताओं, अधिकारियों, कारोबारी तथा सरकार से सवाल पूछने वाले लोगों के बीच में बना हुआ था। उससे अब लोगों को राहत मिलेगी। राजनीति में भी पारदर्शिता आएगी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की जवाब देही तय होगी। ईड़ी का कितना भय था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है।

करोड़ों रुपए की ठगी, नकली ईड़ी के अधिकारी बनकर ठग करने लगे थे। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय देर से आया है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय ने साबित कर दिया है, कानून का राज सभी के ऊपर लागू होता है। सरकार और ईड़ी के अधिकारी इससे अलग नहीं हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से संविधान में वर्णित स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार सुरक्षित रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की सराहना सर्वत्र हो रही है।

उप्र मध्य रेल ने जांच अभियान में 3 लाख का रेल राजस्व कमाया

- स्टेशन से गुजरने वाली 6 से अधिक ट्रेनों के सभी कोचों की जांच की गई

नई दिल्ली । उत्तर मध्य रेलवे द्वारा बिना टिकट यात्रा करने वालों के खिलाफ ललितपुर स्टेशन में आरपीएफ व जीआरपी स्टाफ के द्वारा संयुक्त रूप से घेराबंदी कर टिकट जांच अभियान चलाया गया। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि जांच अभियान में ललितपुर स्टेशन के सभी प्लेटफार्म, वेटिंग रूम, खानपान स्टॉल चेक किए गए व स्टेशन से गुजरने वाली 6 से अधिक ट्रेनों के सभी कोचों की जांच की गयी। महिला व दिव्यांग कोच भी शामिल रहे। इस दौरान स्टेशन पर बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, बिना बुक लगेज, धूम्रपान एवं गंदगी फैलाने वाले कुल 426 मामले पकड़े गए, जिनसे 3 लाख से अधिक का रेल राजस्व अर्जित किया गया। इन्हीं में से एक यात्री से टीटी ने टिकट मांगा तो उसने कहा कि ट्रेन की यात्रा उसने नहीं की, उससे टिकट पूछा गया तो जवाब दिया कि जिस ट्रेन में सवार होंगे, उसी में टिकट ले लेंगे। उसका यह जवाब सुनकर टीटी हंसी नहीं रोक पाए। हालांकि इसके बाद उससे जुर्माना वसूला गया। रेलवे सुरक्षा बल, मऊ एवं अपराध आसूचना शाखा, वाराणसी द्वारा कोपागंज बाजार, मऊ स्थित एक दुकान से ई-टिकटों के अवैध कारोबार में संलिप्त दुकान संचालक को व्यक्तिगत यूजर आईडी पर बने 23 ई-टिकटों के साथ गिरफ्तार किया गया।

वीआई का घाटा चौथी तिमाही में बढ़कर 7,675 करोड़

मुंबई । कर्ज में फंसी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) का घाटा मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 7,675 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से ब्याज और वित्तीय लागत बढ़ने से कंपनी का घाटा बढ़ा है। कंपनी को एक साल पहले 2022-23 की इसी तिमाही में 6,419 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी एकीकृत आय आलोच्य तिमाही में करीब 10,607 करोड़ रुपये रही। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का घाटा बढ़कर 31,238.4 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 29,301.1 करोड़ रुपये था। कंपनी की परिचालन आय इस दौरान मामूली 1.1 प्रतिशत बढ़कर 42,651.7 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2022-23 में 42,177.2 करोड़ रुपये थी। वोडाफोन आइडिया की प्रति उपभोक्ता औसत कमाई (एआरपीयू) सालाना आधार पर 7.6 प्रतिशत बढ़कर 146 रुपये रही। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हमने लगातार 11 तिमाहियों में प्रति उपभोक्ता औसत आय और 4जी ग्राहकों में वृद्धि दर्ज की है। लगभग 215 अरब रुपये (21,500 करोड़ रुपये) का हमारा इक्विटी फंड हमें अपने 4जीका विस्तार करने के साथ-साथ उद्योग के विकास के अवसरों में प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए 5जी सेवाओं को शुरू करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने बयान में कहा` कि हम अपनी समग्र नेटवर्क विस्तार योजना के क्रियान्वयन के लिए कर्ज को लेकर अपने वित्तीय संस्थानों के साथ काम कर रहे हैं।

विक्रम सोलर को गुजरात में मिला सौर मॉड्यूल आपूर्ति का ठेका

नई दिल्ली । विक्रम सोलर को गुजरात में एनटीपीसी की खावड़ा परियोजना के लिए 397.7 मेगावाट सौर मॉड्यूल आपूर्ति का ठेका मिला है। कंपनी के एक बयान में कहा गया कि विक्रम सोलर ने एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड से 397.7 मेगावाट मॉड्यूल आपूर्ति का ठेका हासिल किया है। मॉड्यूल गुजरात में 1,255 मेगावाट खावड़ा सौर परियोजना के एक महत्वपूर्ण हिस्से को बिजली देंगे। बयान में कहा गया कि यह परियोजना घरेलू सामग्री आवश्यकता (डीसीआर) के साथ पूरी तरह से मेल खाती है और भारत की घरेलू सौर विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कंपनी के समर्पण को और मजबूत करती है। विक्रम सोलर के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एनटीपीसी के लिए कई सौर परियोजनाओं के हमारे सफल निष्पादन ने एक गहरा विश्वास उत्पन्न किया है, जो उत्कृष्टता के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है।

संयुक्त राष्ट्र का विश्व अर्थव्यवस्था 2024 में 2.7 फीसदी वृद्धि का अनुमान

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र ने विश्व अर्थव्यवस्था के 2024 में 2.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान लगाया है। यह अमेरिका और ब्राजील, भारत तथा रूस सहित कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं में बेहतर प्रदर्शन की ओर भी संकेत करता है। संरा के वैश्विक आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं 2024 के मध्य-वर्ष के ताजा अनुमानों के अनुसार, विश्व अर्थव्यवस्था इस वर्ष 2.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। जनवरी की रिपोर्ट में उसने इसके 2.4 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान लगाया था। रिपोर्ट में कहा गया, 2025 में 2.8 प्रतिशत तक की वृद्धि की उम्मीद है। 2024 की 2.7 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान 2023 में वृद्धि के बराबर है, हालांकि 2020 में कोविड-19 वैश्विक महामारी शुरू होने से पहले की तीन प्रतिशत की वृद्धि दर से कम है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक विश्लेषण व नीति प्रभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रिपोर्ट पेश करते हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमारा अनुमान महत्वपूर्ण चेतावनियों के साथ आशावाद से भरा है। रिपोर्ट में लंबी अवधि तक ऊंची ब्याज दरों, कर्ज चुकाने की चुनौतियों, जारी भू-राजनीतिक तनाव तथा खासकर दुनिया के सबसे गरीब देशों व छोटे द्वीप देशों के लिए जलवायु जोखिमों की ओर इशारा किया गया है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति जो 2023 के अपने चरम से नीचे है वैश्विक अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित कमजोरी का एक कारक है। संयुक्त राष्ट्र के ताजा अनुमान के अनुसार, 2024 में अमेरिका में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जो वर्ष की शुरुआत में 1.4 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। चीन के लिए जनवरी में 4.7 प्रतिशत के मुकाबले 4.8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। मध्य वर्ष के ताजा आंकड़ों में भारत के लिए 6.9 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान इस साल जनवरी में संयुक्त राष्ट्र द्वारा लगाए गए 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर के अनुमान से अधिक है।

भारत में सीबी 1000 हॉर्नेट जल्द देगी दस्तक

-बाइक डिजाइन कराया पेटेंट

नई दिल्ली । भारत में होंडा कंपनी ने होंडा सीबी 1000 हॉर्नेट बाइक का डिजाइन पेटेंट करवाया लिया है। इस बाइक का पिछले साल अंतरराष्ट्रीय बाजार अनावरण किया गया था। होंडा सीबी 1000 हॉर्नेट कीमत लगभग 15 लाख रुपये एक्स-शोरूम होने की उम्मीद है। होंडा सीबी 1000 हॉर्नेट में 999सीसी, इनलाइन 4-सिलेंडर इंजन मिलेगा, जो 147बीएचपी की पावर और 100 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसे 6-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा जाएगा। वहीं ब्रेकिंग के लिए आगे ड्यूल और पीछे सिंगल डिस्क ब्रेक के साथ 17-इंच के व्हील्स मिलेंगे। अपकमिंग बाइक में थ्रॉटल-बाय-वायर सिस्टम, एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट, 5-इंच की टीएफटी डिस्प्ले और 3 राइड मोड सुविधाएं मिलेंगी। यह एंड्रॉयड और आईओएस दोनों उपकरणों के लिए कनेक्टिविटी सुविधाओं के साथ आएगी, जिन्हें होंडा रोडसिंक के माध्यम से जोड़ा जा सकता है। इसमें आगे शोवा फोर्क्स मिलेगा, जबकि पीछे प्रो-लिंक शोवा शॉक एब्जॉर्बर की सुविधा होगी।मालूम हो कि होंडा सीबी 1000 हॉर्नेट एक दमदार स्ट्रीट फाइटर मोटरसाइकिल है, जो तेज रफ्तार के शौकीनों के लिए बेस्ट है।

असुरक्षित कर्ज पर एनबीएफसी के लिए ठीक नहीं ज्यादा निर्भरता: डिप्टी गवर्नर

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा है कि असुरक्षित माने जाने वाले कर्ज और पूंजी बाजार वित्तपोषण पर अत्यधिक निर्भरता लंबे समय में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए समस्या उत्पन्न कर सकती हैं। स्वामीनाथन ने आरबीआई के हाल ही में आयोजित एक सम्मेलन में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के आश्वासन कार्यों प्रमुखों को संबोधित करते हुए उधार के बारे में निर्णय लेने के लिए एल्गोरिदम पर अत्यधिक निर्भरता को लेकर भी चेतावनी दी। उन्होंने नियमों की अनदेखी करने के लिए नियमों के बुद्धिमतापूर्ण विश्लेषण के रुख पर आरबीआई की निराशा को भी सार्वजनिक किया। उन्होंने इसे वित्तीय प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण जोखिम बताया। स्वामीनाथन ने कहा कि कुछ उत्पादों या असुरक्षित ऋण जैसे क्षेत्रों के लिए जोखिम काफी ज्यादा हैं और यह लंबे समय तक टिकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि ज्यादातर एनबीएफसी में एक ही काम करने की इच्छा है। जैसे कि खुदरा असुरक्षित ऋण, टॉप अप ऋण अथवा पूंजी बाजार वित्तपोषण। ऐसे उत्पादों पर अत्यधिक निर्भरता बाद में समस्या उत्पन्न कर सकती है। स्वामनाथन ने एल्गोरिदम आधारित कर्ज देने के मुद्दे पर कहा कि कई संस्थाएं बही-खातों में तेजी से वृद्धि के लिए नियम-आधारित क्रेडिट का रुख कर रही हैं। हालांकि, स्वचालन दक्षता को बढ़ा सकता है, पर एनबीएफसी को ऐसे मॉडल से खुद को बांधना नहीं चाहिए। यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि नियम-आधारित कर्ज देने की व्यवस्था केवल उतने ही प्रभावी हैं जितने कि आंकड़े और मानदंड जिनपर वे बनाए गए हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 253 अंक, निफ्टी 62 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को भी लगातार दूसरे दिन बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी से आई है। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों ने बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों के साथ बेंचमार्क इंडेक्स को पीछे छोड़ दिया। यह एक फीसदी से ज्यादा की बढ़त लेकर बंद हुए। इसी के साथ ही दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 253.31 अंक करीब 0.34 फीसदी बढ़कर 73,917.03 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 62.25 अंक तकरीबन 0.28 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ ही 22,466.10 अंक पर बंद हुआ।

बेंचमार्क इंडेक्स कल शनिवार 18 मई को स्पेशल ट्रेडिंग सेशन के लिए खुले रहेंगे। एनएसई किसी भी हादसे से निपटने की योजना के तहत ही टेस्टिंग करेगा। इस शनिवार को विशेष सत्र दो भागों में होगा। पहला विशेष सत्र सुबह 9¬15 बजे शुरू होगा और 10 बजे तक चलेगा। वहीं दूसरा सत्र 11¬45 बजे से शुरू होकर दोपहर 1 बजे तक जारी रहेगा। वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

वहीं इससे पहले आज सुबह

एशियाई सूचकांकों में कमजोरी की वजह से बाजार में गिरावट देखने को मिली। बाजार खुलते ही प्रमुख इंडेक्स लाल निशान में कारोबार करते दिखे। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 58 अंक की गिरावट के साथ 73,613 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 17 अंक की गिरावट के साथ 22,387 पर कारोबार करता दिखा। टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, एसबीआई, कोटक बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के बाद एमएंडएम ने सेंसेक्स पर 7 फीसदी की बढ़त हासिल की। वहीं एक्सिस बैंक, सन फार्मा, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, इंफोसिस, रिलायंस, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक और एचयूएल के शेयरों में गिरावट दिखी।

एथेनॉल में गन्ने की खपत बढ़ने से गुड़ में तेजी के आसार

नई दिल्ली ।

एथेनॉल में गन्ने की खपत बढ़ने तथा उत्पादन कम होने से गुड़ में फिलहाल मंदी के आसार समाप्त हो गए हैं। बारिश की कमी के चलते चालू पेराई सत्र में गन्ने का उत्पादन पूर्व वर्ष के मुकाबले करीब 20 फीसदी कम होने का अनुमान है। इसे देखते हुए गुड़ में और तेजी के आसार बन सकते हैं। जानकारों का कहना है कि एथेनॉल में बढ़ती खपत को देखते हुए ऐसा आभास हो रहा है कि आगे चलकर वर्तमान भाव के गुड़ में भरपूर लाभ मिलेगा। गुड़ बनने का सीजन लगभग समाप्त हो चुका है। ध्यान रहे पिछले साल गन्ने के उत्पादन में 4 प्रतिशत की कमी आई थी। परिणामस्वरूप कोल्ड स्टोरों में गुड़ का पुराना स्टॉक कम बचा था। वहीं इसकी खपत एथेनॉल में बढ़ी है। फलस्वरूप पाइप लाइन में नए एवं पुराने माल की उपलब्धि कम है। बता दें इस साल गुड़ का अधिक स्टॉक नहीं हुआ है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की मुजफ्फरनगर मंडी में प्रतिदिन करीब 3 हजार कट्टे गुड़ आ रहा है, जो कि` पिछले वर्ष के मुकाबले कम है। इस बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बागपत, बड़ौद, शामली, सहारनपुर, सरसावा के साथ-साथ हापुड़, मेरठ, परतापुर तथा मोहिउद्दीनपुर सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश की मंडियों में भी गुड़ की आवक का दबाव समाप्त हो चुका है। उधर मध्य प्रदेश में कम मिठास वाले

गुड़ की आपूर्ति भी इस बार कम हो रही है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक एवं महाराष्ट्र की मंडियों में भी नए गन्ने का आवक दबाव पिछले साल की तुलना में कम है। इन सभी कारणों को देखते हुए पिछले साल 78 लाख टन गुड़ उत्पादन के मुकाबले इस बार करीब 65 लाख टन से अधिक की संभावना नहीं है।

इंटीग्रीमेडिकल में 20 फीसदी हिस्सेदारी प्राप्त करेगी एसआईआई

नई दिल्ली ।

टीका बनाने वाली सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने इंटीग्रीमेडिकल में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी प्राप्त करने की शुक्रवार को घोषणा की। एसआईआई ने कहा कि इंटीग्रीमेडिकल ने एक अमेरिकी पेटेंट इंजेक्शन सिस्टम (एन-एफआईएस) विकसित किया है जिसमें टीका लगाने के लिए सुई की जरूरत नहीं होती। कंपनी ने हालांकि लेन-देन के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया। एसआईआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इंटीग्रीमेडिकल का एन-एफआईएस दवा वितरण में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है। हम बिना सुई के टीका लगाने का लक्ष्य रखते हैं। हमारा मानना है कि यह संभावित रूप से हमारे टीके लगाने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है, जिससे यह प्रक्रिया रोगियों तथा स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए अधिक सरल होगी। अे धिकारी ने कहा` कि यह निवेश हमारी सुई-मुक्त टीका प्रणाली प्रौद्योगिकी की क्षमता और दवा वितरण में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता का प्रमाण है। टीका निर्माण तथा वैश्विक वितरण में एसआईआई की विशेषज्ञता अमूल्य होगी क्योंकि हम अपनी प्रौद्योगिकी को दुनिया भर के मरीजों के लिए अधिक सरल बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

एयर इंडिया पर मौलिक अधिकार उल्लंघन का कोई मामला नहीं बनता: सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने बॉम्बे हाई कोर्ट के 20 सितंबर, 2022 के फैसले के खिलाफ दायर अपील खारिज की

नई दिल्ली । देश की शीर्ष अदालत ने एयर इंडिया को लेकर एक महत्वपूर्ण` निर्णय दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 16 मई को कहा कि जनवरी 2022 में एयर इंडिया के डिसइनवेस्टमेंट और टाटा ग्रुप द्वारा उसे टेकओवर करने के बाद एयर इंडिया लिमिटेड संविधान के ऑर्टिकल 12 के तहत राज्य या इसकी इकाई नहीं रही, इसीलिए इसके खिलाफ मौलिक अधिकार उल्लंघन का मामला नहीं बनता है। शीर्ष अदालत ने बॉम्बे हाई कोर्ट के 20 सितंबर, 2022 के फैसले के खिलाफ दायर अपीलों को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने वेतन में कथित स्थिरता, कर्मचारियों की पदोन्नति, वेतन संशोधन के भुगतान में देरी और बकाये को लेकर एआईएल के कुछ कर्मचारियों द्वारा दायर चार रिट पीटिशन का निपटारा किया। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट के सामने रिट पीटिशन में संविधान के ऑर्टिकल 14, 16 और 21 के उल्लंघन का दावा किया गया था। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं है कि भारत सरकार ने अपनी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी टैलेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित कर दी है, जिससे निजी इकाई पर कोई प्रशासनिक नियंत्रण नहीं रह गया है। पीठ ने कहा कि डिसइनवेस्टमेंट के बाद एयर इंडिया संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत एक राज्य या इसका साधन नहीं रह गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट के सामने रिट पीटिशन दायर करने की तिथि पर एआईएल एक सरकारी इकाई थी और पीटिशंस पर काफी देरी के बाद निर्णय लिया गया, तब तक कंपनी का डिसइनवेस्टमेंट हो चुका था और एक निजी कंपनी ने इसका टेकओवर कर लिया था। भारतीय संविधान का ऑर्टिकल 12 एक महत्वपूर्ण प्रावधान है जो राज्य शब्द को परिभाषित करता है। ऑर्टिकल 12 उन संस्थाओं को निर्धारित करता है जो इसके दायरे में आती हैं। यह इस बात पर स्पष्टता प्रदान करता है कि संविधान के भाग 3 में निहित मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। ऑर्टिकल 12 की सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्यापक रूप से व्याख्या की गई है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं

नईदिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत 83 डॉलर प्रति बैरल पर बनी हुई है। हालांकि, क्रूड में जारी तेजी और मंदी का पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ज्यादा असर देखने को नहीं मिल रहा है। शुक्रवार को भी देश भर के अलग-अलग शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है।

हालांकि आंध्रा प्रदेश, गुजरात, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ है। वहीं गोवा, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र और पंजाब में ईंधन दाम कम हुए हैं।

उधर नोएडा और चंडीगढ़ में लगातार दूसरे दिन पेट्रोल-डीजल के दाम में कटौती हुई है। शुक्रवार को दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है,

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है, वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.71 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.80 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 101.30 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर है।

महिंद्रा करेगी 37,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी वाहनों का अपना काफिला बढ़ाने की तैयारी में है। कंपनी की योजना 2030 तक पेट्रोल-डीजल से चलने वाले 9 एसयूवी, 7 इलेक्ट्रिक वाहन और 7 हल्के वाणिज्यिक वाहन लाने की है। उसने वित्त वर्ष 2025 से वित्त वर्ष 2027 तक वाहन कारोबार पर 27,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है। अगले तीन साल में कंपनी कुल 37,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसमें से 5-5 हजार करोड़ रुपये कृषि कारोबार और सेवा कारोबार में लगाए जाएंगे। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा के निदेशक मंडल ने ईवी कंपनी महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल पर 12,000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव मंजूर कर दिया। कंपनी अगले तीन साल में ईवी तैयार करने पर यह रकम खर्च करेगी। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि पूरी तरह महिंद्रा द्वारा ही तैयार पहला ईवी वर्ष 2025 की पहली तिमाही में सड़कों पर दौड़ने लगेगा। उन्होंने कहा कि 2027 तक कंपनी की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 20 से 30 फीसदी हो जाएगी। महिंद्रा की ईवी इकाई में ब्रिटिश इंटरनैशनल इन्वेस्टमेंट ने 1,200 करोड़ रुपये और टेमासेक ने 300 करोड़ रुपये लगाए हैं। टेमासेक ने पिछले साल अगस्त में कंपनी में 1,200 करोड़ रुपये के निवेश का ऐलान किया था। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा ने कहा कि बाकी 900 करोड़ रुपये भी तय समय के भीतर निवेश कर दिए जाएंगे।

मर्सिडीज-बेंज की दो नई कारें 22 मई को देगी बाजार में दस्तक

मुंबई ।

मर्सिडीज-बेंज नई मायबाक जीएलएस 600 और एएमजी एस 63 4मैटिक ई प्रोफोमेशन लेकर आ रही है। इन दोनों कारों को कंपनी 22 मई को लांच करेगी। दोनों गाड़ियों की कीमत 3 से 3.5 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है। नई मायबाक जीएलएस 600 में मौजूदा मॉडल की तुलना में बदलाव देखने को मिलेंगे। इसमें बड़ी क्रोम स्लैट्स के साथ ग्रिल, नया फ्रंट बंपर और एलईडी पैटर्न के साथ हेडलैंप और टेल लैंप और नए 22-इंच के पहिए मिलने वाले है। वहीं नया स्टीयरिंग व्हील, ड्यूल-स्क्रीन डिस्प्ले, रियर इंफोटेनमेंट स्क्रीन, 27-स्पीकर बर्मेस्टर साउंड सिस्टम और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स मिलेंगे। इंजन की बात करें तो इस गाड़ी में 4.0-लीटर, ट्विन-टर्बोचार्ज्ड वी8 पेट्रोल इंजन दिया जाएगा, जो 557एचपी की पावर और 730एनएम का टॉर्क पैदा करने में सक्षम है। इस 48-वोल्ट की मोटर और 9-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से जोड़ा जाएगा।नई एएमजी एस 63 में 4.0-लीटर, ट्विन-टर्बोचार्ज्ड, वी 8 पेट्रोल इंजन मिलेगा, जिसे रियर-एक्सल-माउंटेड एसिंक्रोनस इलेक्ट्रिक मोटर और 13.1 किलोवाट प्रतिघंटा लिथियम-आयन बैटरी से जोड़ा गया है। यह 802एचपी की पावर और 1,430एनएम का टॉर्क देता है। इस गाड़ी का मुख्य आकर्षण सेल्फ-लेवलिंग एक्टिव एयर सस्पेंशन है, जिसे एएमजी राइड कंट्रोल+ कहा जाता है। कार की केवल इलेक्ट्रिक रेंज भी 33 किमी है।

आईपीएल प्ले ऑफ में जगह बनाने आरसीबी और सीएसके में होगी टक्कर

गलुरु (एजेंसी)। आईपीएल में फ में बचे एक स्थान के लिए रॉयल र्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर (सीएसके) के बीच शनिवार को टक्कर स मैच में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी लगा देंगी। इस मैच में जो भी टीम हारेगी। ऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी।

ारसीबी ने इस टूर्नामेंट में शुरुआती हार लगातार पांच मैच जीतकर प्लेऑफ के पनी उम्मीदें बनायी हैं अब उसका लक्ष्य दान पर बड़ी जीत दर्ज करना रहेगा। टीम ुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अब स सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वह र में भी उसे जारी रखना चाहेंगे। पिछले ाचों से आरसीबी के बल्लेबाजों और ों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इसके बाद सके की दावेदारी कमजोर नहीं मानी जा है। उसकी टीम में अनुभवी महेन्द्र सिह जो जानते हैं कि किस प्रकार मैच जीते । आरसीबी अगर इस मैच में जीती तो थान ही हासिल कर सकती है जबकि क विजयी होती है तो अंक तालिका में थान पर रह सकती है।

दराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद और टाइटंस का मैच बारिश के कारण रद्द होने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बाद सनराइजर्स प्लेआफ में पहुंचने वाली तीसरी टीम है। केकेआर और राजस्थान पहले ही प्लेऑफ में पहुंच गयी है। ऐसे में अब अंतिम स्थान के लिए सीएसके और आरसीबी में टक्कर है। अब तक सत्र में बेहतर रनरेट और अधिक अंक (13 अंक और 0.528 रनरेट) होने से चेन्नई का दावा मजबूत है। इस मैदान पर वह आठ मैचों में आरसीबी से एक ही बार हारी है, ऐसे में आंकड़े भी उसके पक्ष में हैं। वहीं आरसीबी के 12 अंक है और उसका नेट रनरेट 0.387 है।

एक समय प्लेऑफ से बाहर होती आरसीबी ने लगातार पांच मैच जीतकर प्लेऑफ की उम्मीदों को बनाये रखा है।

इस करो या मरो के मुकाबले में आरसीबी ओर से रन बनाने का दारोमदार विराट कोहली और कप्तान फाफ डु प्लेसिस के अलावा रजत पाटीदार व दिनेश कार्तिक पर रहेगा। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी

यश दयाल, मोहम्मद सिराज, स्वप्निल सिंह पर रहेगी। पिछले कुछ मैचो में आरसीबी के गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे वे सीएसके के खिलाफ जारी रखने का प्रयास करेंगे।

वहीं सीएसके की ओर से अबतब कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा, शिवम दुबे और रवींद्र जडेजा, तिलक वर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया है। गेंदबाजी की कमान मिशेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तुषार देशपांडे के पास रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मैच रोमांचक होने की पूरी संभावना है।

बारिश हुई तो आरसीबी होगी बाहर

आईपीएल में शनिवार को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होने वाले मै में भी बारिश की आशंकाएं हैं। अगर ऐसा हुआ तो आरसीबी प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी।

मौसम विभाग के अनुसार राज्य में 22 मई तक बारिश की उम्मीद है। 18 मई को भी मौसम ठीक रहने की संभावना कम ही है। अगर यह सही साबित हुआ और बारिश की वजह से मैच नहीं हो सका तो दोनों टीमों को एक-एक अंक मिलेगा। इसका मतलब है कि सीएसके 14 मैचों में 15 अंकों के साथ प्लेऑफ की दौड़ में आगे है। वहीं आरसीबी के लिए यह दुखद होगा, क्योंकि उनके पास 14 मैचों में 13 अंक होगा या 18.1 ओवर के भीतर लक्ष्य को हासिल करना होगा। इससे आरसीबी को सीएसके के नेट रन रेट को पार करने में मदद मिलेगी। अगर ऐसा नहीं होता तो आरसीबी बाहर हो जाएगी।

जहां तक सीएसके की बात है तो इस सत्र में टीम मिलाजुला प्रदर्शन किया है। सीएसके को अब तक 13 लीग मैचों में से सात में जीत मिली है।

टीम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ～ फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, रजत पाटीदार, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन, दिनेश कार्तिक (विकेट कीपर), महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, यश दयाल, मोहम्मद सिराज, स्वप्निल सिंह

चेन्नई सुपर किंग्स ～ रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), राचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल, शिवम दुबे, समीर रिजवी, रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी (विकेट कीपर), मिशेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तुषार देशपांडे, सिमरजीत सिंह।

ओलंपिक में एक मुक्केबाजी कोटा गंवा सकता है भारत, वाडा ने परवीन को किया निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले 12 महीने में तीन बार अपना ठिकाना (वेयरअबाउट) नहीं बताने के कारण विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज परवीन हुड्डा को विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (वाडा) ने निलंबित कर दिया है जिससे वह पेरिस ओलंपिक का कोटा भी गंवा सकती है। पिछले साल एशियाई खेलों में महिलाओं के 57 किलोवर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली परवीन ने अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच अपने ठिकाने की जानकारी नहीं दी है जो वाडा नियमों के तहत अनिवार्य है। परवीन के कोच सुधीर हुड्डा ने कहा, 'उस पर वाडा ने डेढ साल का प्रतिबंध लगाया है जो इस महीने से शुरू होगा और नवंबर 2025 तक चलेगा।% रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल (आरटीपी) में शामिल खिलाड़ियों को रात रूकने पर अपना पूरा पता, नाम और हर ठिकाने का पूरा पता देना होता है जहां वे अभ्यास करते हैं, काम करते हैं या अन्य नियमित गतिविधियों में शामिल होते हैं। इसके अलावा उन्हें 60 मिनट का विंडो और स्थान की जानकारी देनी होती है जहां वे टेस्ट के लिये उपलब्ध होंगे। ऐसा नहीं करने को वाडा के ठिकाने के प्रावधान का उल्लंघन माना जाएगा। बारह महीने में तीन बार ऐसा करने में नाकाम रहने को डोपिंग नियम का उल्लंघन माना जाता है और दो साल तक का निलंबन हो सकता है जिसे घटाकर एक साल तक किया जा सकता है। परवीन के वकील विदुष्पत सिंघानिया ने कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी के संपर्क में हैं और निलंबन हटवाने या कम करने का प्रयास कर रहे हैं। निलंबन की अवधि कम भी होने पर परवीन इस साल जुलाई अगस्त में पेरिस ओलंपिक नहीं खेल सकेगी। भारत के लिए सिर्फ चार मुक्केबाजों निकहत जरीन (50 किलो), प्रीति (54 किलो), परवीन (57 किलो) और लवलीना बोरगोहेन (75 किलो) ने कोटा हासिल किया है। आखिरी ओलंपिक क्वालीफायर 24 मई से बैंकॉक में है।

ब्राजील में होगा 2027 फीफा महिला फुटबॉल विश्व कप

बैंकॉक : ब्राजील में 2027 महिला फुटबॉल विश्व कप होगा चूंकि फीफा के पूर्णकालिक सदस्यों ने बेल्जियम, नीदरलैंड और जर्मनी के संयुक्त प्रस्ताव पर दक्षिण अमेरिकी देश को तरजीह दी है। फीफा कांग्रेस ने ब्राजील के पक्ष में 119 वोट दिए जबकि संयुक्त यूरोपीय बोली को 78 वोट मिले। अमेरिका और मैक्सिको ने संयुक्त प्रस्ताव पिछले महीने वापिस ले लिया था जबकि दक्षिण अफ्रीका ने नवंबर में अपनी दावेदारी वापस ले ली थी। पहली बार महिला फुटबॉल विश्व कप दक्षिण अमेरिका में होगा। टूर्नामेंट पहली बार 1991 में खेला गया था।

-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय प्रशंसकों ए बनेगा इंडिया फैन जोन : सीए

बर्न (एजेंसी)। क्रिकेट (सीए) ने कहा है कि इस अंत में होने वाली बॉर्डर-ॉफी के लिए भारतीय प्रशंसकों सुविधा मिलेगी। इसमें सभी पर भारतीय प्रशंसकों के बैठने इंडिया फैन जोन में बेहतर ंगे। इन स्थलों में मेलबर्न ान (एमसीजी) और सिडनी उंड (एससीजी) भी शामिल कहा, हमारी बहुसांस्कृतिक ना के अनुरूप, प्रशंसक क्षेत्र क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक ाहौल को बढ़ावा देंगे और एक रोमांचक माहौल बनाएंगे।

साथ ही कहा कि इंडिया फैन जोन के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही दी जाएगी। गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पुरुषों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। वहीं इसके बाद 6 दिसंबर को एडिलेड में एक दिन-रात का टेस्ट मैच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच 14 दिसंबर को गाबा में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जाएगी। इसके बाद एमसीजी में बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच होगा जबकि 3 जनवरी को एससीजी में सीरीज समाप्त होगी।

धोनी की तरह टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को जीत दिला सकते हैं रोहित : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि रोहित शर्मा शर्मा इस बार टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को जीत दिला सकते हैं। हरभजन के अनुसार जिस प्रकार महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने साल 2007 में टी20 विश्वकप जीत था। उसी प्रकार इस बार रोहित भी भारतीय टीम को जीत दिला सकते हैं पर इसके लिए अन्य खिलाड़ियों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम ने धोनी की कप्तानी में ही टी20 विश्वकप का पहला सत्र जीता था। इसके बाद से ही टीम दूसरे खिताब का इंतजार कर रही है। टी20 विश्व कप का आयोजन पहली बार संयुक्त रुप से वेस्टइंडीज और अमेरिका में हो रहा है।

हरभजन ने कहा, 'रोहित अकेले कप नहीं जीत सकते, यह हमारे बारे में है, मेरे बारे में नहीं। आप सभी के साथ से ही जीत हासिल कर सकते हैं।' हरभजन ने यह भी कहा कि आईपीएल की थकान से भी खिलाड़ियों का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कहा कि रोहित और उनकी टीम ये न समझे कि विश्व कप भी आईपीएल एक ही एक विस्तारित हिस्सा है। हरभजन ने विश्व कप के लिए तैयार की जा रही पिचों पर भी अनुमान लगाने से मना कर दिया। उन्होंने कहा, 'पिचों के बारे में कोई नहीं जानता। अभ्यास मैचों से टीम संयोजन के बारे में अंदाजा लग जाएगा।'

भी कुछ और साल गा : रोहित

। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने के वह अपने 17 साल के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट े खुश हैं। साथ ही कहा कि वह अभी कुछ और साल कट में खेलना चाहते हैं। रोहित ने कहा, भारत के 17 साल का सफर शानदार रहा है और उम्मीद है कि भी कुछ और साल खेलूंगा और विश्व क्रिकेट पर ूंगा। साथ ही कहा कि मैंने अपने जीवन में चढ़ाव से ज्यादा उतार देखे हैं और आज मैं जो भी इंसान हूं, वह अतीत में जो मैंने उतार-चढ़ाव देखा है, उसकी वजह से हूं। रोहित भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाजों में से एक हैं। साल 2007 में अपने डेब्यू से लेकर अबतक उन्होंने हर गुजरते साल के साथ अपने को । बड़े-बड़े छक्के लगाने के साथ ही लंबी पारी खेलने हारथ हासिल रही है। उन्होंने कहा कि भारत की रना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है। मैंने कभी था कि यहां तक पहुंचूंगा और एक दिन टीम की रूंगा। अच्छी चीजें अच्छे लोगों के साथ होती है। टीम की कप्तानी संभाली तो तो मैं एक ही दिशा में ा चाहता था। एक टीम गेम इसी तरह खेला जाता है ी रिकार्ड और उपब्धियों का अधिक महत्व नहीं है। ाड़ी मिलकर खेले और ट्रॉफी जीते यही सभी का ा चाहिए। रोहित ने कहा कि साउथ अफ्रीका की पिचे ादा मुश्किल रही हैं। उन्होंने कहा कि यहां हर मैदान अलग-अलग तरीके से टेस्ट देना पड़ता है। दक्षिण एक कठिन और मुश्किल जगह है। यहां तेज पिच करती है। साथ ही कहा कि तेज गेंदबाज डेल स्टेन क खेलना उन्हें अच्छा लगता है।

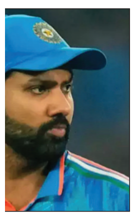

निशानेबाज मनु भाकर का ओलंपिक चयन ट्रायल्स में दबदबा बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपियन मनु भाकर ने शुक्रवार को यहां 10 मीटर एयर पिस्टल ओलंपिक चयन ट्रायल्स (ओएसटी) में शानदार स्कोर से एशियाई खेलों की पदक विजेता ईशा सिंह की चुनौती पस्त करते हुए पूरी तरह से दबदबा बनाये रखा। मनु ने तीसरे ओएसटी में 241.0 का शानदार स्कोर बनाकर ईशा (240.2) और रिदम सांगवान (220.3) को पछाड़ा। सुरभि राव (199.3) और पलक (179.1) क्रमश～ चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल ओएसटी टी3 फाइनल में नवीन ने 246.8 अंक का स्कोर बनाया जिससे वह मौजूदा विश्व रिकॉर्ड से 0.3 अंक से पीछे रहे। सरबजोत सिंह (242.4) ने दूसरा स्थान हासिल किया। उनके बाद अर्जुन सिंह चीमा (218.8), वरूण तोमर (197.3) और रविंदर सिंह (176.9) क्रमश～ तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर रहे।

रमिता जिंदल महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल्स (ट्रायल 3) ने 252.6 अंक का स्कोर बनाया जिससे वह दूसरे स्थान पर रहने वाली ओलंपियन इलावेनिल वलारिवान (252.1) से आगे रहीं। नैन्सी शूट ऑफ में इलावेनिल से पिछड़कर तीसरे स्थान पर रहीं जबकि मेहुली घोष और तिलोत्मा सेन क्रमश～ चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल्स में श्री कार्तिक सबरी राज ने 24 शॉट के शूटआउट में बढ़त बनायी। उनके और दिव्यांश सिंह पंवार के समान 252.5 अंक रहे। अर्जुन बबुता (229.9) तीसरे जबकि विश्व चैम्पियन रूद्रांक्ष पाटिल और संदीप सिंह क्रमश～ चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। भारत की नंबर एक और विश्व रिकॉर्डधारी सिफत कौर सामरा ने 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशन स्पर्धा के क्वालीफिकेशन दौर (ट्रायल 4) में 593 अंक बनाये जबकि ओलंपियन अंजुम मौदगिल ने 588 का स्कोर बनाया। पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशन स्पर्धा में स्थानीय प्रबल दावेदार ऐश्वर्य प्रताम सिंह तोमर ने क्वालीफिकेशन दौर (ट्रायल 4) में लगातार 590 से ज्यादा का स्कोर बनाया।

नीरज ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 में भाग लेंगे, पीटर्स और वाडलेज्च से मिलेगी टक्कर

भुवनेश्वर। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 28 मई को चेकिया में होने वाली ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 एथलेटिक्स स्पर्धा में भाग लेंगे। इसमें ओलंपिक और विश्व चैम्पियन नीरज को मेजबान खिलाड़ी वाडलेज्च और ग्रेनाडा के पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स के टक्कर मिलेगी। पीटर्स को दोहा में तीसरा स्थान मिला था। नीरज के पिछले साल 62वें ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स मीट में भाग लेने की संभावनाएं थीं पर मांसपेशियों में चोट की वजह से वह टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। वहीं वाडलेज्च ने साल 2023 में 81.93 मीटर के थ्रो के साथ ही गोल्डन स्पाइक पुरुषों का भाला फेंक खिताब जीता था। इस स्पर्धा में इटली के मार्सेल जैकब्स, मौजूदा 100 मीटर पुरुष ओलंपिक चैंपियन, जियानमाकर ताम्बरी, पुरुषों की हाई जंप में मौजूदा ओलंपिक सह-चैंपियन और स्वीडिश पोल वॉल्टर मोंडो डुप्लांटिस भी भाग लेंगे। इसके बाद नीरज यूरोप में 18 जून को फिनलैंड के तुर्कू में पावो नूरमी गेम्स में भाग लेंगे। नीरज पेरिस में होने वाले ओलंपिक में खिताब का बचाव करने उतरेंगे। उन्होंने 11 मई को दोहा डायमंड लीग में अपने सत्र की शुरुआत की और 88.36 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। नीरज का यह थ्रो टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता जैकब वाडलेज्च के थ्रो से सिर्फ 2 सेमी कम था, जिन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया।

टी20 विश्वकप में नेपाल के दीपेंद्र पर भी रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी टी20 विश्वकप में इस बार नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी पर भी नजरें रहेंगी। टी20 विश्वकप एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में पहली बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिन्हें पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप में बांटा गया है। इन्हीं में से एक नेपाल टीम में शामिल दीपेंद्र अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण चर्चाओं में आये हैं। दीपेंद्र के नाम पर एक ओवर में 6 छक्के लगाने और टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम 9 गेंदों पर अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड है।

दीपेंद्र ने गत माह 13 अप्रैल को टी20 में एक ओवर में 6 छक्के लगाने के भारत के युवराज सिंह और वेस्टइंडीज के किरोन पोलार्ड के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। ऐरी ने एसीसी प्रीमियर कप 2024 के अंतर्गत अल अमीरात में कतर के खिलाफ मैच में कामरान खान के ओवर में यह 6 छक्के लगाये थे। उन्होंने महज 21 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। टी20 में युवराज ने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड (टी20 वर्ल्डकप 2007) और 2021 में पोलार्ड ने श्रीलंका के अकिला धनंजय के ओवर में छह छक्के लगाए थे. कतर के खिलाफ इस पारी के दौरान दीपेंद्र ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरी बार 6 गेंदों पर लगातार 6 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की थी। इससे पहले दीपेंद्र ने 2023 एशियाई खेलों में मंगोलिया के खिलाफ मैच में भी लगातार 6 गेंदों पर छक्के लगाये हैं। लगातार 6 गेंदों पर उनके यह छह छक्के, दो ओवर के दौरान आए थे। यही नहीं हांगझू में एशियाई खेलों में उन्?होंने सबसे कम गेंदों पर अर्धशतक जड़ने का रिकॉर्ड भी बनाया था। उन्होंने केवल 9 गेंदों पर 50 रन पूरे करते हुए युवराज सिंह के 12 गेंदों पर अर्धशतक बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ा था।

शारजाह मास्टर्स शतरंज : अरविंद की तीसरी जीत सयुंक्त बढ़त पर सलेम , और नीमन भी जीते

शारजाह (निकलेश जैन) एशिया के सबसे मजबूत इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट शारजाह मास्टर्स के तीसरे राउंड के बाद भारत के अरविंद चितांबरम , यूएसए के नीमन हंस मोके और यूएई के सलेम सालेह अपने तीनों मैच जीतकर सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है ।आज खेले गए मुकाबलों में रूस के युवा खिलाड़ी मुरजिन वोलोदर नें ईरान के अमीन तबातबाई को ड्रॉ पर रोक लिया पर दूसरे बोर्ड से चौथे बोर्ड पर लगातार परिणाम सामने आए , दूसरे बोर्ड पर यूएई के सालेम सालेह नें रोमानिया के व्लादिमीर फेडोसीव को तो तीसरे बोर्ड पर नीमन हंस मोके नें ग्रीस के निकोलस थेओड़ोरौ को पराजित किया ।तीसरे बोर्ड पर भारत के अरविंद चितांबरम नें दुबई पोलिस ओपन के बाद शारजाह मास्टर्स में भी अपनी लय को बरकरार रखा है और उन्होने पोलैंड के मरसिन क्र्ज़ोनवीसकी को पराजित करते हुए जीत की है ट्रिक लगा ली है ।इस जीत के बाद अरविंद अब फीडे रेटिंग में 2693 अंको पर पहुँच गए है और वह शतरंज में जादुई नंबर माने जाने वाले 2700 अंको से सिर्फ 7 अंक दूर है ।अन्य भारतीय खिलाड़ियों में आज पांचवें बोर्ड पर अभिमन्यु पौराणिक नें भी शानदार परिणाम हासिल करते हुए ईरान के नंबर एक खिलाड़ी परहम मघसूदलू को पराजित कर दिया और फिलहाल 2.5 अंको के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रहे है ।टूर्नामेंट के टॉप सीड और विश्व के नंबर 8 खिलाड़ी भारत के अर्जुन एरिगैसी नें दूसरे राउंड में मिली हार के बाद वापसी करते हुए जॉर्जिया के निकोलोगी कचरवा को पराजित किया ।

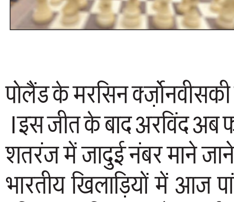

ी क्रिकेटर बनना चाहते थे छेत्री, फीफा ने इन पर फिल्म बनाई है 'कैप्टन फैंटास्टिक'

दिल्ली (एजेंसी)। फुटबॉल की य संस्था फीफा ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल से क्रिस्टियानो लियोनेल मेसी और सुनील छेत्री की यर की है। जिस पर लिखा है ग एज ए लीजेंड%। फीफा ने यह रतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील म्मान में जारी की है। छेत्री ने गुरुवार की है कि वे अगले माह अंतरराष्ट्रीय े संन्यास ले लेंगे। छेत्री भले ही आज र्वश्रेष्ठ फुटबॉलर हों, लेकिन बचपन में बनना चाहते थे।

कि परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक कारण पिता ने महंगी क्रिकेट किट असमर्थता जता दी। इसलिए उन्होंने खेलना शुरू कर दिया। खराब आर्थिक आलम यह था कि उन्हें फटे हुए ूज सिलकर पहनने पड़ते थे। खेल के छेत्री ने इसका तोड़ भी खेल से ही लिया। दिल्ली के धौलाकुआं स्थिति आर्मी पब्लिक स्कूल में पढ़ाई के दौरान माइलो टूनमिंट प्रतियोगिता शुरू हुई। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को 1500 रुपए कीमत के स्पोर्ट्स शूज दिए गए। प्रतियोगिता तीन साल चली। सुनील हर बार श्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। पर हर साल 750-750 के दो जोड़ी शूज लिए, जिसमें से हर साल एक जोड़ी शूज पिता को गिफ्ट कर दिए।

शुरुआत: विरासत में फुटबॉल, माता-पिता दोनों रहे फुटबॉलर

सुनील छेत्री का जन्म तत्कालीन आंध्र प्रदेश के सिकंदराबाद में केबी छेत्री और सुशीला छेत्री के घर हुआ था। उनके पिता आर्मी की मी की इंजीनियरिंग शाखा में थे जबकि मां गृहणी थीं। सुनील को फुटबॉल विरासत में मिली है। दरअसल पिता फुटबॉल खिलाड़ी थे और सेना की फुटबॉल टीम के लिए खेलते थे जबकि उनकी मां नेपाल की महिला राष्ट्रीय टीम में फुटबॉल खेल चुकी थीं। छेत्री के पांच मामा थे और सभी फुटबॉलर थे। यानी फुटबॉल खेलना उनके खून में था। उनके बारे में एक रोचक किस्सा है। एक बार उनकी मां ने कुछ गुब्बारे लेकर घर पर रखे थे। छेत्री ठीक से खड़े भी नहीं हो पाते थे बावजूद उसके उन्होंने खड़े होकर गुब्बारे को किक किया था। यह देख माता-पिता दोनों आश्चर्य चकित हो गए। उनकी एक बहन भी है, जिसका नाम बंदना छेत्री है। उन्होंने अपने कोच की बेटी से शादी की है।

करियर : सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी

सुनील छेत्री ने 2001-02 में दिल्ली के स्थानीय क्लब सिटी क्लब से करियर शुरू किया। यहीं कोलकाता के मोहन बागान एथलेटिक क्लब की नजर उन पर पड़ी। इसके बाद 2002 में मात्र 17 साल की उम्र में मोहन बागान के साथ प्रोफेशनल करियर की शुरुआत की। 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ राष्ट्रीय टीम के लिए डेब्यू किया। उनका पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट 2007 में नेहरू क्लब था। इसमें भारत ने कंबोडिया को 6-0 से हराया। वर्तमान में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल के मामले में वे दुनिया चौथे खिलाड़ी हैं जबकि सक्रिय खिलाड़ियों के मामले में उनसे आगे केवल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो (128 गोल) और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी (106 गोल) ही हैं। सुनील छेत्री के 94 गोल हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर वह 2008 में एएफसी चैलेंज कप, 2011 और 2015 में एसएएफएफ चैंपियनशिप, 2007, 2009 और 2012 में नेहरू कप के साथ-साथ 2017 में इंटरकांटिनेंटल कप में खिताब जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं।

रोचक/उपलब्धि: खेल रत्न पाने वाले एकमात्र फुटबॉलर

-फीफा ने पिछले साल उन पर 'कैप्टन फैंटास्टिक नामक एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण किया था, जो फीफा चैनल पर उपलब्ध है।

-एक मात्र भारतीय फुटबॉलर हैं जिन्हें खेल रत्न प्रदान किया गया है। यह सम्मान 2021 में मिला था।

-उन्होंने रिकॉर्ड 7 बार 2007, 2011, 2013, 2014, 2017, 2019 और 2022 में ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) का प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीता है।

-सुनील छेत्री अंग्रेजी, हिंदी, नेपाली, बंगाली और कन्नड़ भाषा धारा प्रवाह बोल लेते हैं। इसके अलावा वे तेलगू, मराठी और कोंकणी भाषा भी कुछ-कुछ समझ लेते हैं।

-अंतरराष्ट्रीय 86 गोल पूरा करने के बाद उन्होंने गोद में फुटबॉल को छिपाकर पत्नी के गर्भवती होने की जानकारी दर्शकों को रोचक अंदाज में दी थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जल बचत और फसल बढ़ाए

ड्रिप सिंचाई प्रौद्योगिकी

भारत में सिंचित क्षेत्र निवल बुवाई क्षेत्र का लगभग 36 प्रतिशत है। वर्तमान में कृषि क्षेत्र में संपूर्ण जल उपयोग का लगभग 83 प्रतिशत जल उपयोग में लाया जाता है। शेष 5, 3, 6 और 3 प्रतिशत जल का उपयोग क्रमशः घरेलू, औद्योगिक व उर्जा के क्षेत्रों तथा अन्य उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। भविष्य में अन्य जल उपयोगकर्ताओं के साथ प्रतिस्पर्धा बढ़ जाने के कारण विस्तृत होते हुए सिंचित क्षेत्र के लिए जल की उपलब्धता सीमित हो जाएगी। सिंचाई की परंपरागत सतही विधियों में जल की क्षति अधिक होती है। यदि ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई की विधियों को अपनाया जाए तो इन हानियों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इन सभी सिंचाई की विधियों में से ड्रिप सिंचाई सर्वाधिक प्रभावी है और इसे अनेक फसलों, विशेषकर सब्जियों, बागानी फसलों, पुष्पों और रोपण फसलों में व्यापक रूप से उपयोग में लाया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई में इमीटरों और ड्रिपरों की सहायता से पानी पौधों की जड़ों के पास डाला जाता है या मिटटी की सतह अथवा उसके नीचे पहुंचाया जाता है। इसकी दर 2-20 लीटर/घंटे अर्थात बहुत कम होती है। जल्दी-जल्दी सिंचाई करके मृदा में नमी का स्तर अनुकूलतम रखा जाता है। ड्रिप सिंचाई के परिणामस्वरूप जल अनुप्रयोग की दक्षता बहुत उच्च अर्थात लगभग 90-95 प्रतिशत होती है। विशिष्ट ड्रिप सिंचाई प्रणाली चित्र में दर्शायी गयी है।

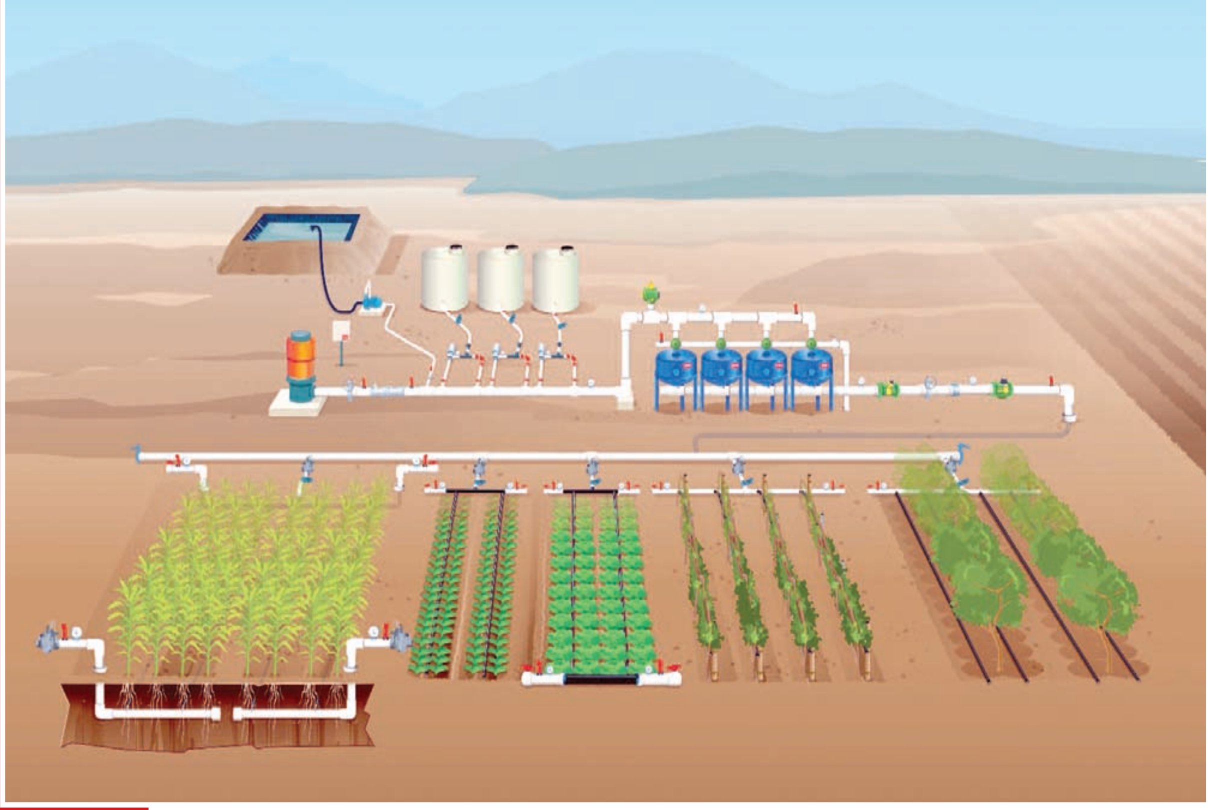

टपक सिंचाई प्रणाली

ड्रिप प्रणाली सिंचाई की उन्नत विधि है, जिसके प्रयोग से सिंचाई जल की पर्याप्त बचत की जा सकती है। यह विधि मृदा के प्रकार, खेत के ढाल, जल के स्त्रोत और किसान की दक्षता के अनुसार अधिकतर फसलों के लिए अपनाई जा सकती हैं। ड्रिप विधि की सिंचाई दक्षता लगभग 80-90 प्रतिशत होती है। फसलों की पैदावार बढ़ने के साथ-सथ इस विधि से उपज की उच्च गुणवत्ता, रसायन एवं उर्वरकों का दक्ष उपयोग, जल के विक्षालन एवं अप्रवाह में कमी, खरपतवारों में कमी और जल की बचत सुनिश्चित की जा सकती है।

इस विधि का उपयोग पूरे विश्व में तेजी से बढ़ रहा है। सीमित जल संसाधनों और दिनों दिन बढ़ती हुई जलावश्यकता और पर्यावरण की समस्या को कम करने के लिए ड्रिप सिंचाई तकनीक निःसन्देह बहुत कारगर सिद्ध होगी। जिन क्षेत्रों में भूमि को सममतल करना मंहगा और कठिन या असंभव हो उन क्षेत्रों में व्यावसायिक फसलों को सफलतापूर्वक उगाने के लिए ड्रिप सिंचाई तकनीक सर्वाधिक उपयुक्त है। ड्रिप तंत्र एक अधिक आवृति वाला ऐसा सिंचाई तंत्र है जिसमें जल को पौधों के मूलक्षेत्र के आसपास दिया जाता है। ड्रिप सिंचाई के द्वारा पौधे को आवश्यकतानुसार जल दिया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई के द्वारा 30-40 प्रतिशत तक उर्वरक की बचत, 70 प्रतिशत तक जल की बचत के साथ उपज में 100 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। इसके अतिरिक्त खरपरवारों में कमी, ऊर्जा की खपत में बचत और उत्पाद की गुणवत्ता में बढ़ोतरी भी होती है।

जल की बचत : 70 प्रतिशत तक जल की बचत। सिंचाई का जल सतहपर बह कर और जमीन में मूलक्षेत्र से नीचे नहीं जाता है। सिंचाई के जल का बड़ा हिस्सा वाष्पन, रिसाव और जमीन में ज्यादा गहराई तक जाकर बर्बाद होता है।

जल के उपयोग की दक्षता : 80 से 90 प्रतिशत तक, 30-50 प्रतिशत, क्योंकि बहुतसारा सिंचाई का जल फसल तक पहुँचने में और खेत में वितरण में बर्बाद हो जाता है।

श्रम की बचत : ड्रिप तंत्र को लगभग प्रतिदिन शुरू और बन्द करने के लिए श्रम की बहुत कम आवश्यकता होती है। इसमें प्रति सिंचाई ड्रिप से ज्यादा श्रम की जरूरत होती है।

खरपतवार की समस्या : मिट्टी का कम हिस्सा नम होता है, इसलिए खेत में खरपतवार भी कम होते हैं।

खारे जल का उपयोग : जल्दी-जल्दी सिंचाई करने के कारण जड़ तंत्र में अधिक नमी रहती है और लवणों की सान्द्रता हानिकारक स्तर से कम रहती है। लवणों का सान्द्रण जड़ तंत्र में बढ़ जाता है, जिससे जड़ों कीवृद्धि रूक जाती है, इसलिए खारे जल का उपयोग नहीं करपाते हैं।

बीमारियों और कीड़े-मकोड़ों की समस्या : पौधों के आसपास वायुमण्डल में नमी की सान्द्रता कम रहती है, इसलिए पौधों में बीमारियों और कीड़े-मकोड़े लगने की संभावना कम रहती है।

खराब मृदाओं में उपयुक्तता : ड्रिप सिंचाई द्वारा मृदा में जल के वितरण को मृदा की प्रकार के अनुसार नियोजित किया जा सकता है। इसलिए, ड्रिप सिंचाई सब प्रकार की मृदाओं के लिए प्रयुक्त की जा सकतीहै।

जल का नियंत्रण : बिल्कुल सही और सरल ढंग से संभव।

उर्वरक उपयोग की दक्षता : निच्छालन और अपवाह न होने के कारण पोषक तत्व नष्ट नहीं होते हैं, इसलिए इनके उपयोग की दक्षता बढ़ जाती है। पोषक तत्व निच्छालन और बहाव में नष्ट हो जाते हैं, इसलिए उनके उपयोग की दक्षता निम्न होती है।

भूक्षरण : मिट्टी की सतह का आंशिक और नियंत्रित हिस्सा ही गीला होता है, इससे भूक्षरण नहीं होता है।

पैदावार में बढ़ोतरी : जल्दी-जल्दी सिंचाई से मिट्टी में जल तनाव नहीं रहता है और पौधों की वृद्धि अधिक होती है, जिससे पैदावार 100 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

ड्रिप सिंचाई का इतिहास

भारत के कुछ भागों में प्राचीन परंपरा के अंतर्गत ड्रिप सिंचाई का उपयोग हुआ है और इसके द्वारा घर के आंगन में रखे तुलसी के पौधे की सिंचाई की जाती थी। गर्मियों के मौसम में पौधों की सिंचाई के लिए वृक्षों या पौधों के पास एक छोटा छेद करके पानी से भरा घड़ा लटका दिया जाता था जिससे बूंद-बूंद कर पानी टपकता रहता था। अरूणाचल प्रदेश के आदिवासी किसानों ने पतले बांस को पानी के प्रवाह के रूप में नाली का इस्तेमाल करते हुए ड्रिप सिंचाई प्रणाली को आदिप्रथा के रूप में अपनाया था। उप-सतही सिंचाई में ड्रिपरों का उपयोग जर्मनी में 1869 में पहली बार किया गया। 1950 के दशक के दौरान और इसके पश्चात पैट्रोरसायन उद्योग में हुई तेजी से वृद्धि से कम लागत पर प्लास्टिक के पाइपों का निर्माण करना संभव हुआ। ये पाइप धातु या सीमेंट-कंक्रीट से बने पाइपों की तुलना में सस्ते व सुविधाजनक थे। प्लास्टिक के पाइप दबाव के अंतर्गत जल को वहन करने में सुविधाजनक होते हैं तथा इन्हें वांछित संरचना में आसानी से तैयार किया जा सकता है।

प्लास्टिक से बने ड्रिप सिंचाई के खेतों या बागों में उपयोग में आने वाले पाइप व्यवहारिक दृष्टि से उत्तम होते हैं। ड्रिप सिंचाई प्रणाली का विकास खेत फसलों के लिए इजराइल में 1960 के दशक के आरंभ में तथा आस्ट्रेलिया व उत्तरी अमेरिका में 1960 के दशक के अंत में हुआ। इस समय अमेरिका में ड्रिप सिंचाई प्रणाली के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्र है जो लगभग 1 मिलियन हैक्टर है। इसके बाद भारत, स्पेन, इजराइल आदि देश आते हैं। भारत में पिछले लगभग 15 वर्षों के दौरान ड्रिप सिंचाई के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में अत्यधिक वृद्धि हुई है। वर्तमान में, भारत सरकार के प्रयासों के परिणामस्वरूप हमारे देश में लगभग 3.51 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई की जाती है जबकि 1960 में यह क्षेत्र केवल 40 हैक्टेयर था। महाराष्ट्र (94,000 है.), कर्नाटक (66,000 है.) और तमिलनाडू (55,000 है.) कुछ ऐसे राज्य हैं जिनमें बड़े क्षेत्रों में ड्रिप सिंचाई की जाने लगी है। भारत में सिंचाई की ड्रिप विधि से अनेक फसलें सींची जाती हैं। सबसे अधिक प्रतिशत वृक्षों में की जाने वाली ड्रिप सिंचाई का है जिसके बाद लता वाली फसलों, सब्जियों, खेत फसलों व अन्य फसलों का स्थान आता है।

ड्रिप और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों के लिए विकास की क्षमता

ड्रिप सिंचाई प्रणाली सभी बागानी व सब्जी वाली फसलों के लिए उपयुक्त है।

ड्रिप सिंचाई प्रणाली को प्याज और भिंडी सहित घनी फसलें उगने वाले खेतों में भी सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है।

भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के बागवानी में प्लास्टीकल्चर अनुप्रयोगों पर राष्ट्रीय समिति ने अनुमान लगाया है कि देश में कुल 27 मिलियन हैक्टर क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई का उपयोग किया जा रहा है।

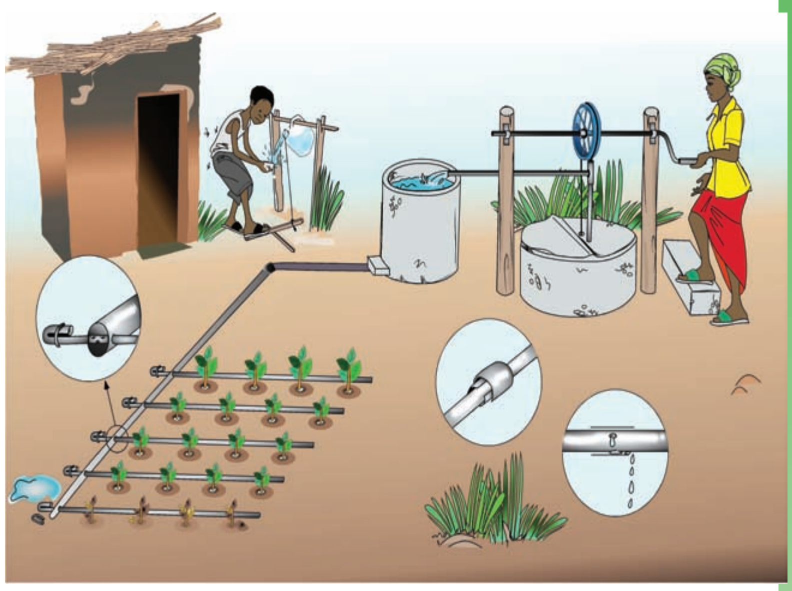

ड्रिप सिंचाई के साथ-साथ फर्टिगेशन भी पहुंचता है पौधों तक

फर्टिगेशन दो शब्दों फर्टिलाइज़र अर्थात् उर्वरक और इर्रिगेशन अर्थात् सिंचाई से मिलकर बना है। ड्रिप सिंचाई में जल के साथ–साथ उर्वरकों को भी पौधों तक पहुँचाना फर्टिगेशन कहलाता है। ड्रिप सिंचाई में जिस प्रकार ड्रिपरों के द्वारा बूंद–बूंद कर के जल दिया जाता है, उसी प्रकार रासायनिक उर्वरकों को सिंचाई जल में मिश्रित करके उर्वरक अंत: क्षेपक यंत्र की सहायता से ड्रिपरों द्वारा सीधे पौधों के पास पहुँचाया जा सकता है। फर्टिगेशन उर्वरक देने की सर्वोत्तम तथा अत्याधुनिक विधि है।

फर्टिगेशन को फसल एवं मृदा की आवश्यकताओं के अनुरूप उर्वरक व जल का समुचित स्तर बनाए रखने के लिए अच्छी तकनीक के रूप में जाना जाता है। जल और पोषक तत्वों का सही समन्वय अ धि क

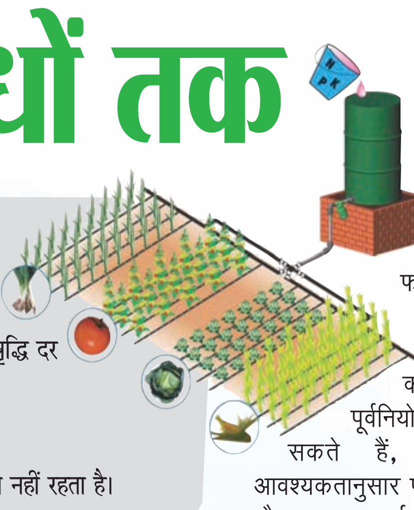

पैदावार और गुणवत्ता की कुंजी है। फर्टिगेशन द्वारा उर्वरकों को कम मात्रा में जल्दी–जल्दी और कम अन्तराल पर पूर्वनियोजित सिंचाई के साथ दे सकते हैं, इससे पौधों को आवश्यकतानुसार पोषक तत्व मिल जाते हैं और मूल्यवान उर्वरकों का निच्छालन द्वारा अपव्यय भी नहीं होता है।

सामान्यत: फर्टिगेशन में तरल उर्वरकों का ही प्रयोग किया जाता है परन्तु दानेदार और शुष्क उर्वरकों को भी फर्टिगेशन के द्वारा दिया जा सकता है। फर्टिगेशन के द्वारा शुष्क उर्वरकों को देने से पूर्व उनका जल में घोल बनाया जाता है। उर्वरकों के जल में घोलने की दर उनकी विलेयता और जल के तापमान पर निर्भर करती है। उर्वरकों के घोल को फर्टिगेशन से पहले छान लेना चाहिए।

फर्टिगेशन से लाभ

- फर्टिगेशन जल एवं पोषक तत्वों के नियमित प्रवाह को सुनिश्चित करता है जिससे पौधों की वृद्धि दर तथा गुणवत्ता में वृद्धि होती है।
- फर्टिगेशन द्वारा पोषक तत्वों को फसल की मांग के अनुसार उचित समय पर दे सकते हैं।
- फर्टिगेशन पोषक तत्वों की उपलब्धता और पौधों की जड़ों के द्वारा उनका उपयोग बढ़ा देता है।
- फर्टिगेशन उर्वरक देने की विश्वस्तरीय और सुरक्षित विधि है। इससे पौधों की जड़ों को हानि पहुँचने का भय नहीं रहता है।
- फर्टिगेशन से जल और उर्वरक पौधों के मध्य न पहुंचकर सीधे उनकी जड़ों तक पहँचते हैं इसलिए पौधों के मध्य खरपतवार कम संख्या में उगते हैं।
- फर्टिगेशन से भूमिगत जल का प्रदूषण नहीं होता है।
- फर्टिगेशन से फसलों के पूरे वृद्धि काल में उत्पादन को बिना कम किए, उर्वरक धीरे-धीरे दिए जा सकते हैं। ?
- उर्वरक-उपयोग की किसी अन्य विधि की तुलना में फर्टिगेशन सरल एवं अधिक सुविधाजनक है जिससे समय और श्रम की बचत होती है।
- ड्रिप सिंचाई द्वारा फर्टिगेशन करने से बंजर भूमि (रेतीली या चट्टानी मृदा) में जहां जल एवं
- तत्वों को पौधे के मूल क्षेत्र के वातावरण में नियन्त्रित करना कठिन होता है, फसल ली जा सकती है।
- उर्वरक-उपयोग की दक्षता बढ़ती है और उर्वरक की कम मात्रा में आवश्यकता होती है

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेपाल सरकार ने 100 रुपए के नोट पर छापा नक्शा, भारत ने जताई आपत्ति

-जयशंकर बोले-ऐसे फैसले जमीनी हकीकत में कोई बदलाव नहीं ला सकते

काठमांडू। नेपाल सरकार ने हाल ही में 100 रुपए के नोट जारी किया है जिसको लेकर विवाद छिड़ गया है। इस नोट पर नेपाल ने अपना जो नक्शा छापा है, उसमें कई ऐसे क्षेत्र भी शामिल किए हैं, जिनको भारत अपना कहता है। नेपाली प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की सरकार ने 3 मई को नेपाल में 100 रुपए के नए नोट पर विवादास्पद नक्शे के इस्तेमाल का फैसला लिया। नेपाल सरकार ने कहा कि कैबिनेट ने 25 अप्रैल और 2 मई को बातचीत के बाद नोट के नए डिजाइन को मंजूरी दे दी है और पुराने नोटों के स्थान पर नए नोट जारी किए गए हैं। नेपाल ने चार साल पहले, 2020 में इस नक्शे को जारी किया था और ये विवाद की वजह बना गया था। एक बार फिर ऐसे समय पर नेपाल ने ये विवाद खड़ा किया है, जब भारत में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। इस फैसले के बाद नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के आर्थिक सलाहकार चिरंजीवी ने इस कदम की आलोचना करते हुए इस्तीफा दे दिया। भारत की ओर से भी इस प्रतिक्रिया दी गई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नेपाल के इस फैसले को एकतरफा बताते हुए कहा कि इस मामले पर भारत की स्थिति साफ है और ऐसे फैसले जमीनी हकीकत में कोई बदलाव नहीं ला सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल के विवादास्पद नक्शे को नेपाल के पूर्व पीएम केपीएस ओली की सरकार के समय अपनाया गया था। इस फैसले से भारत और नेपाल के संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। नेपाल और भारत 1850 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। भारत के सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से नेपाल की सीमा लगी हुई है। दोनों देशों के बीच सीमा को लेकर कुछ जगहों पर विवाद चल रहा है। हालिया विवाद की शुरुआत 2020 में तब हुई जब भारत विरोधी अभियान चलाकर सत्ता में आए नेपाल के पूर्व पीएम ओली ने देश का नक्शा बदल दिया। भारत को झटका देते हुए जून 2020 में नेपाल ने भारत के साथ विवादित क्षेत्रों पर अपना दावा किया। नेपाल ने लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी के अपनी सीमा में होने का दावा किया, जिसे भारत अपना कहता है। नेपाल की ओर ये तब किया गया, जब भारत-चीन सीमा पर लिपुलेख दर्रे को कैलाश-मानसरोवर मार्ग से जोड़ने वाली नई सड़क खोलने का फैसला भारत ने लिया था। इससे पहले दिसंबर 2019 में भी भारत की ओर से भी एक नक्शा जारी किया गया था, इसमें कालापानी को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के हिस्सा दिखाया गया था। नेपाल की ओर से उस पर आपत्ति की गई थी, जिस पर भारत ने मतभेदों को सुलझाने के लिए एक विदेश सचिव स्तर की वार्ता तंत्र का गठन करने की बात कही थी। इसके बाद कोविड महामारी के चलते बातचीत शुरू नहीं हो सकी थी और फिर नेपाल ने विवादित नक्शा जारी कर दिया है।

ब्रिटेन में खांस-खांस कर पांच बच्चों की मौत!

-कोरोना से भी तेज फैल रहा इंफेक्शन, 2,793 मामले आए सामने

लंदन। ब्रिटेन में तेजी से फैल रही काली खांसी (पर्टुसिस) के 2,793 मामले सामने आ चुके है। इस बीमारी से अब तक पांच बच्चों की मौत होना बताया जा रहा है। एक और बच्चे की मृत्यु की मौत का पता चला है जिसके बारे में जानकारी हासिल की जा रही है। बताया जाता है कि काली खांसी छोटे बच्चों पर बुरा प्रभाव डाल रही है। बड़े बच्चों और वयस्कों में इसके लक्षण आमतौर पर हल्के होते हैं। काली खांसी इतनी खतरनाक है, इसका अंदाजा बात से लगाया जा सकता है कि वैश्विक स्तर पर हर साल काली खांसी के अनुमानित 2 करोड़ 40 लाख मामले सामने आते हैं, जिनमें से करीब 1.6 लाख की मौत हो जाती है। काली खांसी बोर्डेटेला पर्टुसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होती है। पर्टुसिस अक्सर सांस लेने की बीमारियों से जुड़े इंफेक्शन से शुरू होती है, जिसमें नाक बहना और बुखार मुख्य लक्षण होते हैं। हूप कफ खांसी की बीमारी के एक या दो सप्ताह बाद ही हो सकता है। हालांकि यह सभी मामलों में हो ऐसा जरूरी नहीं है। जानकारों की मानें तो काली खांसी बहुत तेजी से फैलती है। औसतन पर्टुसिस का एक मामला करीब 15-17 लोगों में इंफेक्शन फैलाता है। यह इंफेक्शन कोविड वेरिएंट से अधिक है। काली खांसी के इंफेक्शन का असर पांच सप्ताह तक रहता है। जल्द उपचार करना ही इसके फैलाव को कम कर सकता है। एंटीबायोटिक्स उपचार शुरू करने के केवल पांच दिन बाद इंफेक्शन को कम करने में सक्षम हैं पुष्ट और बिना लक्षण वाले दोनों मामले काली खांसी के आगे फैलने के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। काली खांसी का एक अजीब पहलू यह है कि आमतौर पर कुछ सालों में इसका बड़ा प्रकोप होता है। यूके में आखिरी बड़ा प्रकोप 2016 में हुआ था, जिसमें करीब 6,000 मामले सामने आए थे। प्रारंभिक टीकाकरण के कुछ सालों बाद इसमें गिरावट आती है यही कारण है कि पूरी आबादी में लगातार उच्च टीकाकरण जरुरी है।

अमेरिकी भारतवंशी सांसदों ने क्यों कहा... पहले अमेरिका सुधरे

वाशिंगटन। अमेरिका में भारतीय मूल के सांसदों का कहना है कि वे भारत के साथ मानवाधिकारों का मुद्दा उठाते रहने वाले हैं। हालांकि, भारत उन पर काम नहीं करेगा। अमेरिका में गुरुवार को देसी डिसाइड्स नाम की एक समिट हुई। समिट के दौरान सांसद आर ओ खन्ना ने कहा कि अमेरिका को मनवाधिकारों के मुद्दों पर भारत की लीडरशिप से बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत पर 100 साल तक विदेशी हुकूमत का राज था। समिट में भारतवंशी सांसदों से पीएम मोदी और मुस्लिम समुदाय के साथ उनके संबंधों पर सवाल किया गया था। इस पर खन्ना ने कहा कि भारत लेक्चर सुनने की बजाय तब अपने लोकतंत्र की खामियों को सुधारेगा, जब अमेरिका भी अपनी गलतियों को स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा कि भारत से बात करने का यही अच्छा तरीका है। इस पर दूसरे भारतवंशी सांसद बेरा ने खन्ना से सहमति जाहिर की। बेरा ने कहा कि मैंने भारतीय विदेश मंत्री से भी मानवाधिकारों के मुद्दों पर बात की थी। बेरा ने कहा कि हमारे यहां अभी भी जीवंत लोकतंत्र है। हमारे पास एक विपक्षी दल है। हम प्रेस की स्वतंत्रता में विश्वास रखते हैं। यह सभी चीजें हैं, जो मुझे भारत के लिए चिंतित करती हैं। बेरा ने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि भारत का लोकतंत्र जीवित रहेगा।

धरती पर चींटियों की 13,000 से अधिक प्रजातियां मौजूद, प्रोफेसर क्लिंट पेनिक ने इस पर किया लंबा रिसर्च

त्बिलिसी। क्या आप चींटियों को सूंघ सकते हैं? कैसे होती है इनकी गंध? साइंटिस्ट ने इसके बारे में बताया है।अगर आपसे पूछा जाए कि चीटियां कितने तरह की होती हैं, तो आपका जवाब हो सकता है कि लाल चीटियां और काली चीटियां। लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक, धरती पर चींटियों की 13,000 से अधिक प्रजातियां मौजूद हैं। जॉर्जिया में केनेसॉ स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर क्लिंट पेनिक ने इस पर लंबा रिसर्च किया है। उन्होंने बताया कि वैसे तो ये लाल और काले रंग में बंटी हुई हैं। लेकिन एक चीज है, जिससे इनकी अलग-अलग पहचान हो सकती है और वह है इनकी गंध। चींटियों की कई प्रजातियां गुस्सा होने, कुचले जाने पर तेज गंध वाले रसायन छोड़ती हैं। जैसे ट्रैप-जॉ चींटियां जब परेशान होती हैं तो वो चॉकलेट जैसी गंध छोड़ती हैं। बड़ी पीली दिखने वाली सिट्रोनेला चींटियां नींबू जैसी गंध फेंकती हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण, जो चींटी हमारे और आपके घरों में पाई जाती है, उसकी गंध सड़े हुए पनीर या बासी नारियल की तरह होती है। साइंटिस्ट के मुताबिक, ऐसा इसलिए है क्योंकि घरेलू चींटियां मिथाइल कीटोन्स नामक रसायन छोड़ती है। यह पेनिसिलियम बैक्टीरिया से उत्पन्न होते हैं। जो पनीर और सड़ते नारियल पर उगते हैं। प्रोफेसर क्लिंट पेनिक ने कहा, अगर हमें चींटियों की गंध- पता हो, तो हमला करने से पहले ही हम उन्हें कुचल देंगे। लेकिन चींटियों की सभी प्रजातियों में इतनी गंध नहीं होती कि इंसान की नाक उसका पता लगा सके।

मर्सिली के करीब न्यूकैलीडोनिया में नियंत्रण हासिल करने के लिए फ्रांस के लगाये आपातकाल के बाद वहां की ओर भेजे जा रहे पुलिस अधिकारी और सिविल गार्ड विमान में चढ़ते हुए।

तानाशाह की बहन की दो टूक... नॉर्थ कोरिया ने रूस को नहीं दिए हथियार

कोरिया। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने रूस को हथियार देने के अमेरिका और साउथ कोरिया के दावों को गलत बताया है। किम यो जोंग ने कहा कि रूस को हथियार देने की बातें मनगढ़ंत और बेतुकी हैं। उन्होंने कहा कि नॉर्थ कोरिया ने देश की सुरक्षा के लिए हथियार बनाए हैं, किसी दूसरे देश को बेचने के लिए नहीं।

किम की बहन का ये बयान उस वक्त आया है जब अमेरिका ने रूस की 3 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाएं है। इन पर नॉर्थ कोरिया और रूस के बीच हथियारों की डील कराने के आरोप थे। दरअसल, नॉर्थ कोरिया के हथियार खरीदने और बेचने पर (संयुक्त राष्ट्र संघ) यूएन ने पाबंदियां लगा रखी हैं। अमेरिका और पश्चिमी देश लगातार रूस पर नॉर्थ कोरिया से मिलिट्री टेक्नोलॉजी और आर्थिक सहायता के बदले में यूक्रेन युद्ध के लिए तोपखाने, मिसाइल और दूसरे हथियार खरीदने के आरोप लगाते रहे हैं। साउथ कोरिया ने दावा किया था कि नॉर्थ कोरिया ने जुलाई 2023 से मार्च 2024 तक रूस को हथियारों से भरे 7 हजार कंटेनर भेजे। इसके बदले नॉर्थ कोरिया में रूस के 9 हजार कंटेनर आए थे। इसमें खाने की कमी झेल रहे नॉर्थ कोरिया के लिए मदद का सामान होने का दावा किया गया। वहीं, अमेरिकी जानकारों का दावा है कि नॉर्थ कोरिया को हथियार भेजने के बदले सैटेलाइट टेक्नोलॉजी मिली है। नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि वे अपनी सेना के लिए 240 मिलीमीटर के रॉकेट लॉन्चर बनाएगा, जो सेना की जंग लड़ने की क्षमता को बढ़ाएंगे।

भारत ने इजराइल को भेजे हथियार, स्पेन ने जहाज को रुकने की नहीं दी अनुमति

-कहा- मध्य पूर्व को शांति की जरूरत है न कि विस्फोटक हथियारों की

तेल अवीव (एजेंसी)। भारत ने गाजा युद्ध में फंसे इजराइल को हथियार भेजे हैं। भारत ने यह कदम तब उठाया है जब इजराइल को अमेरिका ने हजारों बम की सप्?लाई को रोक लगा दी है। पिछले 8 महीने से हमास के साथ जंग में इजराइल के पास हथियार नहीं बचे हैं और इजराइल ने भारत से मदद मांगी थी। भारत ने इजराइल को हथियार भेजे भी हैं लेकिन अब इसे स्पेन ने अपने बंदरगाह पर रुकने की इजाजत नहीं दी है। बताया जा रहा है कि इस व्यापारिक जहाज पर 27 टन विस्फोटक है और इसे भारत से भेजा गया है। स्पेन ने कहा है कि मध्य पूर्व को शांति की जरूरत है न कि और ज्यादा विस्फोटक भेजकर क्षेत्र को अशांत बनाने की।

एक रिपोर्ट के मुताबिक स्पेन के विदेश मंत्रालय ने डेनमार्क के झंडे वाले इस जहाज को अपने बंदरगाह पर रुकने की इजाजत नहीं दी है। बताया जा रहा है कि इस जहाज पर भारत से भेजा गया 27 टन विस्फोटक लदा हुआ था। उसने कहा कि मध्यपूर्व को शांति की जरूरत है, न? कि और ज्यादा हथियारों की। स्पेन के विदेश मंत्री जोसे मैनएल अल्बरेस ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है। जब हमने पाया है कि एक जहाज हथियारों की खेप लेकर इजराइल जा रहा है और वह स्पेन के बंदरगाह पर रुकने की इजाजत चाह रहा है।

स्पेन ने रुकने की इजाजत देने से किया इंकार

यह जहाज भारत से इजराइल की यात्रा कर रहा है और इतनी लंबी यात्रा के दौरान उसे जरूरी सामान फिर से भरना है। स्पेन के विदेश मंत्री ने कहा कि हमने इस शिप की पहचान कर ली है और हमने उसे अपने यहां रुकने की अनुमति देने से इंकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह किसी भी ऐसे जहाज के लिए प्रति हमारी सतत नीति है जो इजरायल के लिए हथियार या उससे जुड़ा सामान लेकर जा रहा है और हमारे बंदरगाह पर रुकना चाहता है। इस पूरे मामले में स्पेनी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि विदेश मंत्रालय सतत तरीके से इस तरह के पोर्ट कॉल को खारिज करेगा जिसकी एकमात्र वजह यह है कि मध्य पूर्व को और ज्यादा हथियारों की जरूरत नहीं है, उसे शांति की जरूरत है।

बता दें कि स्पेन ने इजरायल के गाजा में सैन्य अभियान की कड़ी आलोचना की है। वह फलस्तीनी देश को भी मान्यता देना चाहता है। स्पेन ने गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से ही इजरायल को हथियारों की आपूर्ति रोक दी थी। भारत इजरायल का सबसे बड़ा हथियारों का खरीदार है। गाजा युद्ध के बीच इजरायल भारत से कई तरह के हथियारों के लिए जरूरी सामान मंगा रहा है। इजरायल की कई सरकारी कंपनियां भारत में निवेश करती हैं। भारत में इजरायली कंपनियां विस्फोटक से लेकर किलर ड्रोन तक बना रही हैं। भारतीय कंपनियों ने हाल ही में विस्फोटक और ड्रोन की सप्लाई की है। भारतीय रक्षा सूत्रों का कहना है कि इजरायल को विस्फोटक देकर भारत ने किसी भी अंतरराष्ट्रीय नियम का उल्लंघन नहीं किया है।

23 अरब रुपए के सब्सिडी पैकेज की घोषणा के बाद पीओके में रुका प्रदर्शन

-शहबाज ने कहा-पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे पर अपना नैतिक और राजनयिक समर्थन जारी रखेगा

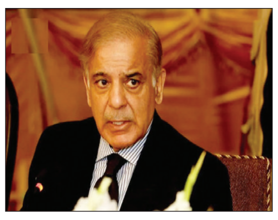

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शन करने वाले लोगों ने पुलिसकर्मियों को पीट दिया और पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए। इसे झड़प में एक पुलिसकर्मी की भी मौत हो गई है। बिजली और आटा की कीमतों में राहत के लिए लोगों का यह प्रदर्शन था, इसके बाद पाकिस्तान सरकार सहमत हो गई, लेकिन इस प्रदर्शन से पाकिस्तानी सरकार हिल गई है। फिर ऐसी स्थिति न हो, इसके लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पीओके पहुंचे। उन्होंने पीओके में लोगों के सामने आने वाले मुद्दों के लिए स्थायी समाधान मांगा। जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी की ओर से महंगाई, उच्च करों और बिजली बिलों के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन करने के बाद शहबाज का यह बयान आया है। पाकिस्तानी सरकार की ओर से 23 अरब रुपए के सब्सिडी पैकेज की घोषणा के बाद यह प्रदर्शन रुक गया। पीओके में कैबिनेट बैठक को संबोधित करते हुए शहबाज ने कहा कि उनकी सरकार कश्मीरी लोगों के सामने आने वाले मुद्दों का स्थायी समाधान तलाशेगी। उन्होंने पीओके के लोगों के लिए जल शुल्क, नीलम झेलम और अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए एक कमेटी के गठन का निर्देश दिया। पाकिस्तान को यह उम्मीद नहीं थी कि पीओके जिसे वह आजाद जम्मू कश्मीर कहता है, वहां उसके खिलाफ प्रदर्शन होगा। शहबाज ने कहा कि लोगों ने अपनी वास्तविक मांगों के लिए आवाज उठाई, लेकिन इसके बीच कुछ उपद्रवियों ने दंगे फैलाने और हत्या की कोशिश की। शहबाज ने कहा कि वह कश्मीर मुद्दे पर अपना नैतिक और राजनयिक समर्थन देना जारी रखेगा। उन्होंने तिहाड़ में बंद कश्मीरियों को लेकर भी बात की। भाजपा ने कश्मीर की तीन सीटों श्रीनगर, बारामूला और अनंतनाग पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। इसे लेकर शहबाज ने कहा कि भारत की सत्तारूढ़ पार्टी अपने वास्तविक नाम से चुनाव नहीं लड़ सकती है, जो क्षेत्र में जनता के गुस्से के डर को दिखाता है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच विवाद का कारण बनी डूरंड लाइन

-यह रेखा पाकिस्तान बनने से 53 साल पहले 1893 में अंग्रेजों ने खींची थी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अफगानिस्तान-पाकिस्तान के विवाद का सबसे बड़ा कारण डूरंड लाइन है, जिसे अंग्रेजों ने बनाया और ये पाकिस्तान के लिए मुसीबत बनी हुई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान तालिबान की सेना के बीच पिछले तीन दिनों से संघर्ष जारी है। डूरंड लाइन पर दोनों एक दूसरे पर निशाना लगा रहे हैं। मीडिया के मुताबिक पक्तिया में पाकिस्तान की ओर से दर्जनों मिसाइलें दागी गईं, जो लोगों के घरों पर गिरी। एक समय था जब पाकिस्तान तालिबान की मदद करता था। लेकिन जब से तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता में आया है, तब से पाकिस्तान के साथ संघर्ष बढ़ गए हैं। टीटीपी आतंकियों के हमले भी बढ़ गए हैं। अफगानिस्तान में तालिबान प्रशासन के उप मंत्री शेर मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई ने फरवरी में एक बयान में कहा था कि डूरंड लाइन जब बनी तब पाकिस्तान का अस्तित्व भी नहीं था। उन्होंने कहा, डूरंड लाइन एक काल्पनिक रेखा है। अंग्रेजों ने उस समय अब्दुल रहमान खान के साथ समझौते के अनुसार इसे खींचा था। पाकिस्तान का इससे कोई लेना देना नहीं है। शेर मोहम्मद का बयान सही है। यह रेखा पाकिस्तान के अस्तित्व से 53 साल पहले 12 नवंबर 1893 में खींची गई थी।

डूरंड लाइन अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच 2,640 किमी लंबी सीमा है। ब्रिटिश इंडिया के सचिव सर मोर्टिमर डूरंड और अफगानिस्तान के अमीर अब्दुर रहमान खान के बीच समझौते के बाद इसे खींचा गया था। डूरंड रेखा रूस और ब्रिटिश साम्राज्यों के बीच 19वीं शताब्दी के ग्रेट गेम्स की एक विरासत के रूप में देखा जाता है। तब ब्रिटेन और रूस मध्य एशिया में प्रभाव बढ़ाने की जियोपॉलिटिकल लड़ाई लड़ रहे थे। अंग्रेजों ने इसे रूसी विस्तारवाद को रोकने के लिए एक बफर जोन के तौर पर इस्तेमाल किया था।

कनाडा के पीएम की मुस्लिमों और यहूदियों में कम हुई लोकप्रियता

-ट्रूडो के इजराइल-हमास युद्ध पर प्रवासियों तक बात ना पहुंचाने से हैं नाराज

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो और उनकी लिबरल पार्टी की लोकप्रियता कनाडा के मुस्लिमों और यहूदियों में कम हुई है। इसकी वजह गाजा में इजरायल और हमास के बीच चल रहा युद्ध है। एक सर्वे में कहा गया है कि मुस्लिम और यहूदी मतदाता लिबरल्स से दूर हो रहे हैं, जबकि इन दोनों समुदायों की पहली पसंद ट्रूडो हुआ करते थे। इन समुदायों के बीच लोकप्रियता घटने का कारण जस्टिन ट्रूडो के इजराइल-हमास युद्ध पर प्रवासियों के बीच अपनी बात ना पहुंचाना है। कनाडा में अगले साल चुनाव होने हैं, ऐसे में पीएम ट्रूडो के लिए सत्ता में वापसी करना मुश्किल हो सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक सर्वे में 42 यहूदी मतदाताओं के लिए कंजर्वेटिव और 33 फीसदी के बीच लिबरल पार्टी पहली पसंद है। ट्रूडो की पार्टी कनाडाई मुसलमानों के बीच एनडीपी से 41 के मुकाबले 31 फीसदी से पीछे है। कनाडा में 2015 में मुस्लिम मतदाताओं के समर्थन ने पीएम जस्टिन ट्रूडो को बहुमत वाली सरकार बनाने में मदद की थी लेकिन गाजा में इजरायल और हमास युद्ध और उससे पैदा मानवीय संकट ने राजनीतिक परिदृश्य बदल दिया है। मुसलमानों और यहूदियों के अलावा ट्रूडो की पार्टी हिन्दुओं और सिखों के समर्थन की कमी से जूझ रही है। विपक्षी नेता पियरे पोइलिवरे और कंजर्वेटिव पार्टी ईसाईयों, हिंदुओं और सिखों की पहली पसंद हैं।

लिबरल्स की राजनीति में प्रवासियों की बहुत अहमियत है। ऐसे में यह बहुत अच्छी स्थिति नहीं लगती है। यहूदी प्रवासी कह रहे हैं कि सरकार हमास की निंदा करने और कनाडा में यहूदी विरोधी भावना को रोकने में विफल रही हैं। दूसरी ओर मुस्लिम आबादी मान रही है कि ट्रूडो सरकार ने गाजा में इजरायली रक्षा बलों के हमलों की खुलकर आलोचना नहीं की है। दोनों समूहों में से कम से कम आधे लोगों का कहना है कि ट्रूडो के बारे में उनकी राय हाल के हफ्तों में अच्छी नहीं है।

ट्रूडो के खिलाफ माहौल के बावजूद विपक्षी नेताओं को मुस्लिमों और यहूदियों के बीच ट्रूडो की लोकप्रियता में कमी का फायदा उठाना है। कनाडाई मुसलमानों की राय एनडीपी नेता जगमीत सिंह के बारे में भी अच्छी नहीं है। वहीं हाल के सप्ताहों में पोइलिव्रे के बारे में उनके विचार और अधिक नकारात्मक हो गए हैं। कनाडाई यहूदियों के बीच भी दोनों नेताओं का आकलन नकारात्मक।

जिनपिंग ने पुतिन को लगाया गले, चिढ़ गया अमेरिका....किसी एक को चुने ड्रैगन

बीजिंग (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 2 दिन के दौरे पर चीन में हैं। बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पुतिन का जोरदार स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने साथ में चाय पी। पुतिन की यात्रा का पहला दिन खत्म होने पर जिनपिंग ने उन्हें गले भी लगाया। इस दोस्ती से अमेरिका नाराज हो गया है। अमेरिका ने कहा है कि चीन अगर पश्चिमी देशों के साथ बेहतर रिश्ते बनाने की कोशिश कर रहा है, तब वह यूक्रेन जंग में रूस का समर्थन नहीं कर सकता है। चीन को रूस या यूरोप में से एक को चुनना होगा। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के उप-प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, यूक्रेन जंग के मामले में अमेरिका, जी7, नाटो और ईयू देशों का एक ही पक्ष है। रूस को हथियार देकर चीन न सिर्फ यूक्रेन की सुरक्षा खतरे में डाल रहा है, बल्कि इससे यूरोप पर भी असर पड़ेगा। वह यूरोप के सबसे बड़े खतरे को बढ़ावा दे रहा है। पटेल ने कहा, हमारे नजरिए से इस समस्या का हल बहुत ही आसान है। रूस यूक्रेन से पीछे हट जाए। वह रूसी कब्जे में मौजूद यूक्रेन के क्रीमिया और दूसरे इलाकों को आजाद कर दे। इससे शांतिपूर्ण तरह से मसला हल किया जा सकेगा, लेकिन रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने समय-समय पर यह बताया है कि वे शांति के लिए तैयार नहीं है।

दूसरी ओर चीन ने कहा है कि वह अपने मिलिट्री प्रोडक्ट्स के एक्सपोर्ट को पूरी जिम्मेदारी से संभालता है। अमेरिका को टारगेट कर चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमारे ऊपर आरोप लगाने से किसी समस्या का हल नहीं निकलेगा। जो लोग आग को हवा देते हैं, वे खुद उसकी चपेट में आ जाते हैं। रूस-यूक्रेन मसले का हल सिर्फ राजनीतिक समझौते के जरिए ही निकाला जा सकता है।

दरअसल शुक्रवार को शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद पुतिन ने कहा कि रूस और चीन भाई जैसे हैं। जिनपिंग ने सोवियत काल की धुन के साथ उनका स्वागत किया दोनों नेताओं ने कहा था कि रूस और चीन की दोस्ती दुनिया में चल रही वर्चस्व की लड़ाई के बीच स्थिरता लाने का काम करती है। अपने दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को पुतिन चीन के हार्बिन शहर पहुंचे। इसे चीन का लिटिल मॉस्को कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि 1917-22 के दौरान जब रूस में गृह युद्ध चल रहा था, तब हजारों रूसी हार्बिन शहर रहने पहुंचे थे। तब मॉस्को से रूस के पश्चिम में मौजूद व्लादिवोस्तोक शहर को जोड़ने के लिए हार्बिन के रास्ते रेलवे लाइन बिछाई गई थी। शुक्रवार को यहां पहुंचे राष्ट्रपति पुतिन ने 1940 में जापान के साथ जंग के दौरान मारे गए सोवियत सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

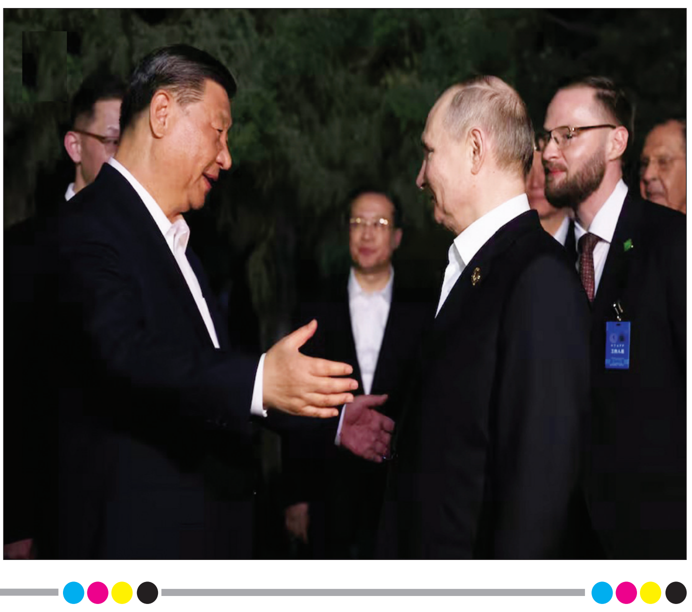

मृत्यु के बाद भी ले रहे थे सम्मान निधि अब परिजनों से होगी रिकवरी

देहरादून।

किसान सम्मान निधि का लाभ लेने वाले किसान की मौत होती है तो उसकी सूचना बैंक को देना होती है। उत्तराखंड में सैकड़ों परिवार ऐसे हैं जिन्होंने मृत्यू की सूचना नहीं दी और लगातार सम्मान निधि ले रहे थे। मामले का खुलासा होने पर अब इनसे राशि की वसूली की जाएगी।उत्तराखंड में किसान सम्मान निधि योजना की धनराशि (6 हजार रुपये प्रतिवर्ष, प्रति किसान) हजारों मृतकों को बांटने का मामला सामने आया है। कृषि विभाग के ई-केवाईसी अभियान के दौरान इस बात का खुलासा हुआ है। जिसके बाद विभाग ने पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा जनपद में करीब ढाई हजार मृत लाभार्थियों के परिजनों से धनराशि की रिकवरी भी शुरू कर दी है। सीमांत में बीते फरवरी माह के दौरान कृषि विभाग ने किसान सम्मान निधि पाने वाले लाभार्थियों का ई-केवाईसी कराने को लेकर अभियान चलाया था। इस दौरान सामने आया कि योजना का लाभ पाने वाले 200 से अधिक किसानों की पूर्व में ही मौत हो चुकी है। कई लाभार्थी तो ऐसे थे, जिनकी मौत एक से डेढ़ वर्ष पहले ही हो चुकी थी, लेकिन परिजनों की ओर से विभाग को कोई जानकारी नहीं देने के कारण योजना के तहत धनराशि मृतकों के खातों में आती रही। मामला सामने आने के बाद विभाग ने संबंधित लाभार्थियों के परिजनों से रिकवरी शुरू की। विभाग के मुताबिक, अब तक तकरीबन 55 लाख रुपये मृतक लाभार्थियों से वसूले जा चुके हैं।

पिथौरागढ़ की मुख्य कृषि अधिकारी रितु टम्टा ने बताया कि फरवरी से अप्रैल 2024 के बीच किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों की ई-केवाईसी कराई गई। जांच में पिथौरागढ़ जिले में 200 से अधिक लाभार्थियों के निधन होने की सूचना मिली। संबंधित लाभार्थियों के परिजनों से 55 लाख रुपये रिकवर कर लिए गए हैं। केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में किसान परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत की थी। किसान सम्मान निधि के तहत प्रत्येक लाभार्थी के खाते में प्रतिवर्ष छह हजार रुपये डीबीटी के जरिये मिलते हैं। पिथौरागढ़ में अभी 53 हजार से अधिक किसान इस योजना का लाभ उठा रहे हैं।

अल्मोड़ा जिले में किसान सम्मान निधि पाने वाले मृतक लाभार्थियों की संख्या कहीं अधिक मिली। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, अल्मोड़ा जिले में 2,368 मृतक लाभार्थियों को चिह्नित किया गया है। विभाग ने संबंधित लाभार्थियों के परिजनों से रिकवरी भी शुरू कर दी है।

ममता बनर्जी पर भरोसा नहीं वह भाजपा में भी जा सकती हैं

- गठबंधन सरकार को बाहर से समर्थन देने के बयान पर अधीर रंजन ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर बाहर से समर्थन देने को लेकर दिए बयान के बाद देश की राजनीति में गरमाहट ला दी है। ममता के बयान पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी पर मुझे भरोसा नहीं है। वह गठबंधन छोड़कर चल गई थीं। वह भाजपा में भी जा सकती हैं। चौधरी ने कहा कि वह अब जमीनी हकीकत को समझ रही हैं कि मतदाता इंडिया गठबंधन की ओर बढ़ रहे हैं। चौधरी ने कहा कि ममता को किस बात ने गठबंधन छोड़ने को मजबूर किया? यह बात आज तक उन्होंने साफ नहीं की है ? अधीर रंजन ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अध्यक्ष ममता बनर्जी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के पक्ष में बनते माहौल और राष्ट्रीय राजनीति में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए समर्थन कर रही हैं।

कांग्रेस नेता की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब एक दिन पहले ममता ने कहा था कि उनकी पार्टी केंद्र में सरकार बनाने के लिए बाहर से 'इंडिया' गठबंधन का समर्थन करेगी। उन्होंने ममता को अवसरवादी राजनेता करार देते हुए कहा कि उन्होंने बदलते राजनीति को भांपकर अपना रुख बदला है इससे यह साफ होता है कि 'इंडिया' गठबंधन बढ़त ले रहा है और सरकार बनाने के करीब है। यही कारण है कि एक चतुर और अवसरवादी नेता के रूप में ममता ने पहले ही अपना समर्थन देने का फैसला कर लिया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी अपना भरोसा खो चुकी है और वह इस वास्तविकता को समझ गई हैं कि मतदाता का झुकाव'इंडिया' गठबंधन की ओर है। उन्हें अहसास हो गया है कि वह राष्ट्रीय राजनीति में अलग-थलग पड़ सकती हैं।

इसलिए उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति में खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए ऐसा बयान दिया है। बता दें टीएमसी प्रमुख ममता ने विगत दिवस हुगली जिले में एक चुनावी रैली में कहा था कि उनकी पार्टी केंद्र में सरकार बनाने के लिए 'इंडिया' गठबंधन को बाहर से समर्थन देगी।

बीते दो साल में 139 देशों के शिवभक्तों ने किए नव्य भव्य श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन

वाराणसी ।

यहां अनेक गैर सनातन मतावलंबी काशी आते हैं, परंतु मंदिर में दर्शन के लिए नहीं जाते हैं। बड़ी संख्या में सारनाथ होते हुए बौद्ध परिपथ के विदेशी पर्यटक, तंत्र, शाक्त, क्रिया योग, जैन, अघोरपंथ के बड़े आश्रमों एवं साधना स्थलों पर साधक सीधे पहुंचते हैं। विदेशी सैलानी काशी के मंदिरों, धरोहर और संस्कृति को देखने ही नहीं आते बल्कि काशी को जीने भी आते हैं। यहीं कारण है कि पिछले दो साल में 139 देशों के शिवभक्तों ने बाबा के दरबार में दर्शन पूजन किया है। धर्म, अध्यात्म और संस्कृति को जानने के लिए सात समंदर पार से काशी आने वाले विदेशी पर्यटकों का सिलसिला लंबे समय से बना हुआ है। नव्य भव्य श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के विस्तारित होने के बाद धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के देशों के भक्तों की संख्या बढ़ गई है। बड़ी संख्या में सैलानी श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन करने भी बनारस पहुंच रहे हैं।

मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि धाम के लोकार्पण के बाद लगभग 25 महीनों में बाबा के दरबार में 139 देशों के भक्तों ने हाजिरी लगा ली है। वर्ष 2019 के मुकाबले वर्ष 2023 में केवल श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या

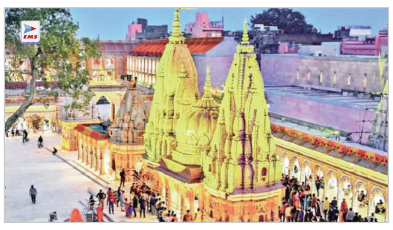

में ही चार गुने से भी अधिक की वृद्धि हुई है। विदेशी पर्यटक हिंदी, संस्कृत, संगीत और मंत्रों को सीखने के लिए काशी में कई दिनों तक रहते भी हैं। काशी की दुनिया से अच्छी कनेक्टिविटी, सुरक्षा, मूल-भूत ढांचा में सुधार से बढ़ी सुविधाओं ने काशी में पर्यटकों का रुझान और बढ़ा दिया है।

अस्तित्व बचाने के लिए साथ आई है कांग्रेस और आप: भाजपा

नई दिल्ली ।

आप नेता स्वाति मालीवाल के साथ हुई बदसलूकी के मामले में अरविंद केजरीवाल पर लगातार हमला बोल रही भाजपा ने अब कांग्रेस नेताओं के बयानों का जिक्र करते हुए कहा है कि अपना-अपना अस्तित्व बचाने के लिए कांग्रेस और आप साथ तो आई हैं, लेकिन इंडिया ब्लॉक के नेता ही केजरीवाल के काले कारनामे की पोल खोल रहे हैं। भाजपा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एक मिनट 48 सेकेंड का एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि इंडी अलायंस के नेता ही खोल रहे केजरीवाल के काले कारनामे की पोल सुन लीजिए... इस वीडियो में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा हाल ही में दिए गए बयान का वीडियो है जिसमें वह यह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि केजरीवाल शराब घोटाले में लिप्त हैं, सिर्फ 15 दिन के लिए जेल से बाहर आए हैं और ऐसे व्यक्ति पर क्या भरोसा किया जा सकता है इसलिए पंजाब में केजरीवाल का स्वागत नहीं विरोध होना चाहिए। वीडियो में कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित के भी बयान को शामिल किया गया है जिसमें वह पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बयान पर पलटवार करते हुए कह रहे हैं कि आने वाले समय में माताएं यह भी कहेंगी कि एक पार्टी (आम आदमी पार्टी) थी जो आजकल तिहाड़ जेल में मिलती है। यह ऐसी पार्टी है जिसका 40 प्रतिशत नेतृत्व जेल में हैं और बाकी जाने को तैयार बैठा है। वीडियो में भाजपा ने कांग्रेस और आप दोनों की आलोचना करते हुए कहा कि जहां एक तरफ राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व केजरीवाल को लेकर इतना ढोंग कर रहा है, वहीं पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी कांग्रेस के ढोंग और केजरीवाल के काले कारनामों को उजागर करने में लगे हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अपना अस्तित्व बचाने के लिए साथ होने का दिखावा तो कर रहे हैं लेकिन ना तो इनकी नीति मिल रही है और ना नीयत। घमंडिया गठबंधन चाहे जो भी हथकंडा अपना लें लेकिन चुनाव में इन्हें हार ही मिलनी है क्योंकि देश की जनता फिर एक बार मोदी सरकार बनाने के लिए तैयार है।

प्रियंका बोलीं- मैं चाहती हूं कि राहुल जल्दी मेरे लिए भाभी लाएं, मैं भी बुआ बनना चाहती हूं

नई दिल्ली।

प्रियंका गांधी रायबरेली और अमेठी में लगातार चुनावी जनसभा कर रही हैं। रायबरेली से जहां राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं, वहीं अमेठी से कांग्रेस ने अपने करीबी किशोरी लाल शर्मा को मैदान में उतारा है। प्रियंका गांधी ने कहा, 'एक बहन के रूप में मैं चाहूंगी कि मेरा भाई एक खुशहाल इंसान बने। मैं चाहूंगी कि वह शादी करें, बच्चे पैदा करें।' वहीं, जब उनसे सवाल किया गया कि क्या वह खुश होंगी अगर राहुल को कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया गठबंधन' का पीएम चेहरा बनाया जाए, इस पर उन्होंने कहा कि अगर हम सत्ता में आते हैं तो इस पर फैसला इंडिया गठबंधन करेगा।

बहरहाल, इंडिया गठबंधन ने अब तक भाजपा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कोई चेहरा पेश करने से इनकार कर दिया है।

वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले तीन महीनों से अपने द्वारा किये गये चुनाव प्रचार का खंडन कर रहे हैं और सच यह है कि अब कोई उनकी बातों पर भरोसा नहीं कर रहा है। प्रियंका ने अपने भाई एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा रायबरेली सीट से पार्टी उम्मीदवार राहुल गांधी के समर्थन में आयोजित एक जनसभा में भाजपा सरकार पर जुमलेबाजी करने का आरोप लगाते हुए कहा, '10 साल इनके जुमले चल गये, अब नहीं चलेंगे। इन्होंने कहा कि 15 लाख रुपये आपके खाते में डालेंगे, किसान की आमदनी दोगुनी कर देंगे, हर साल दो करोड़ रोजगार देंगे। जो-जो कहा वह चुनाव के बाद नकारा। आजकल तो यह स्थिति हो गयी है कि उन्होंने कल कुछ बात बोली और अगले दिन उसका खंडन कर दिया।'

दरअसल, पहले यह उम्मीद की जा रही थी कि प्रियंका गांधी इस बार अमेठी या रायबरेली से चुनाव लड़ेंगी, मगर ऐसा नहीं हुआ। काफी दिनों तक सस्पेंस रहने के बाद कांग्रेस ने राहुल गांधी को रायबरेली से मैदान में उतारा, जो सोनिया गांधी की सीट थी। मगर फरवरी में राज्यसभा जाने के बाद सोनिया गांधी ने कह दिया था कि वह रायबरेली से अब लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। दूसरी ओर अमेठी से स्मृति ईरान के खिलाफ कांग्रेस ने गांधी परिवार के वफादार केएल शर्मा को चुनावी मैदान में उतारा है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी को तभी जमानत जब वह दोहरी शर्त पूरी करे

-सुप्रीम कोर्ट ने कहा-समन पर पेश हुए तो पूरी नहीं करनी होगी जमानत की दोहरी शर्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोई आरोपी अगर कोर्ट के समन पर हाजिर हुआ है तो उसे प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की धारा-45 के तहत जमानत की दोहरी शर्त पूरी नहीं करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट के सामने दो कानूनी सवाल थे कि क्या स्पेशल कोर्ट अगर पीएमएलए एक्ट के तहत किसी आरोपी को समन जारी करता है तो क्या वह जमानत के लिए आवेदन देगा? अगर हां तो क्या जमानत के लिए पीएमएलए की धारा-45 के तहत दोहरी शर्त लागू होगी? पीएमएलए एक्ट की धारा-45 के तहत प्रावधान है कि को पूरा करता हो। यानी यह दिख रहा हो कि आरोपी ने अपराध नहीं किया है और दूसरा यह कि जमानत के दौरान अपराध होने की आशंका न बची हो। यह कंडिशन काफी सख्त है और इसी कारण पीएमएलए केस में गिरफ्तारी के बाद जमानत मिलना आसान नहीं होता है।सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ए.एस. ओका की अगुआई वाली बेंच ने अपने फैसले में कहा कि पीएमएलए मामले में अगर कोई आरोपी है और उसे विशेष अदालत ने समन जारी किया है। तो वह विशेष अदालत में पेश होता है तो जब उसकी पेशी होती है तो यह नहीं माना जाएगा कि वह कस्टडी में है। ऐसे में आरोपी के लिए यह जरूरी नहीं है कि वह जमानत के लिए दोहरी शर्त को पूरा करे। बल्कि विशेष अदालत उसे यह कह सकती है कि आरोपी जमानत बॉन्ड भरे। सीआरपीसी की धारा-88 के तहत जब अदालत किसी मामले में आरोपी को समन जारी करती है तो आरोपी की पेशी के बाद अदालत इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि आरोपी आगे भी कोर्ट में पेश होता रहेगा उससे जमानत बॉन्ड भरवाता है। यह उन मामलों में होता है जिनमें आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामले में जमानत बॉण्ड स्वीकार करते समय पीएमएलए एक्ट की धारा-45 के तहत दोहरी जमानत शर्त का जो सख्त प्रावधान है वह लागू करना अनिवार्य नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम में सामने आया फर्जी रजिस्ट्रेशन का मामला

गंगोत्री । चारधाम यात्रा की शुरुआत में ही भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम में दर्शन के लिए उमड़ रही है। इसी बीच फर्जी रजिस्ट्रेशन का मामला भी सामने आया है। चेकिंग के दौरान रजिस्ट्रेशन बार कोड चैक करने पर दो यात्री बसों की रजिस्ट्रेशन की तिथि फर्जी मिली। दोनों बसों में 88 तीर्थयात्री सवार थे। श्रद्धालुओं द्वारा बताया गया कि हरिद्वार से टिंकू व माटू नामक दो टूर ऑपरेटर द्वारा उनके रजिस्ट्रेशन में फर्जीवाड़ा कर उनके साथ छलावा किया है। श्रद्धालुओं की तहरीर पर दोनों टूर ऑपरेटरों के विरुद्ध सरकारी दस्तावेज पर धोखे से कूटरचना कर फर्जी रजिस्ट्रेशन तैयार करने पर दो अभियोग पंजीकृत किए गए हैं।एसपी उत्तरकाशी अर्पण यदुवंशी ने बताया कि पुलिस श्रद्धालुओं की यात्रा को सरल, सुगम व सुरक्षित बनाने के लिए लगातार तत्पर है। कोई भी यात्री बिना रजिस्ट्रेशन व रजिस्ट्रेशन की तिथि से पूर्व या बाद में यात्रा पर न आएं। सभी श्रद्धालु अपना पंजीकरण आधिकारिक साइट से ही करें और किसी भी जालसाज के बहकावे में न आएं। पंजीकरण सेंटर में लगातार चेकिंग की जा रही है। यदि किसी का पंजीकरण फर्जी पाया जाता है, तब उन्हें किसी भी दशा में यात्रा नहीं करने दी जाएगी।

वाराणसी सीट से प्रत्याशी शिव कुमार के खिलाफ महिला ने दर्ज कराई एफआईआर

वाराणसी । वाराणसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से युग तुलसी पार्टी के प्रत्याशी कोली शेट्टी शिव कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकाने के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ है। यह कार्रवाई रमेश कुमार की पत्नी मंजू देवी उर्फ संजू देवी की तहरीर के आधार पर की गई है। महिला के अनुसार, उनका देवर महेश साहनी नाव चलाता है। महेश को एक आदमी मुमुक्ष भवन के पास मिला, वह खुद को गौरक्षा समिति का मालिक बताया। उसने महेश को गौरक्षा के लिए अपनी समिति में शामिल करने को कहा, तब वह भी गौ-सेवा के लिए तैयार हो गई। इसके बाद उनके आधार कार्ड की कापी समिति में सदस्य बनाने के लिए ली और एक कागज पर हस्ताक्षर भी करा लिया। महिला ने बताया कि उन्हें देवर से जानकारी मिली कि कोई कोली सेट्टी शिवकुमार नामक आदमी ने अपने लोकसभा चुनाव के नामांकन के लिए उनका नाम प्रस्तावक के रूप में लिखा है। जबकि मैं उस आदमी को न जानती हूं, न प्रस्तावक के तौर पर अपने हस्ताक्षर की और न कचहरी गई। शिवकुमार ने धोखे से उनका आधार कार्ड लेकर चुनाव में प्रयोग किया। जब वह अपना आधार कार्ड मांगने गई, तब उसने जानमाल की धमकी देकर भगा दिया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा 32 लोकसभा सीटें जीतेगी: माणिक साहा

गोमती । त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने पिछले कुछ हफ्तों में पश्चिम बंगाल में कई चुनावी रैलियों को संबोधित किया, उन्होंने दावा किया कि भाजपा उस राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से कम से कम 32 सीटें जीतेगी। यहां एक रक्तदान शिविर में भाग लेने के बाद साहा ने कहा कि बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने मतदाताओं में भाजपा और उसके उम्मीदवारों के पक्ष में भारी उत्साह देखा। मुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा कि मुझे यकीन है कि भाजपा बंगाल में कम से कम 32 लोकसभा सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा, लोग तृणमूल कांग्रेस सरकार के कुशासन और भ्रष्टाचार से तंग आ चुके हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बंगाल में 18 सीटें जीती थीं, जो राज्य में उसका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। त्रिपुरा भाजपा के पूर्व अध्यक्ष साहा ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए 400 से अधिक सीटों का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि देश भर के सभी नेता, पार्टी पदाधिकारी और सदस्य 400 से अधिक सीटों के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मैं पहले ही पश्चिम बंगाल में कई चुनावी रैलियों को संबोधित कर चुका हूं और मैं पार्टी के लिए प्रचार करने के लिए फिर वहां जाऊंगा। साहा ने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि 400 से ज्यादा सीटें हासिल कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला एनडीए लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाएगा।

नंबर से हैं असंतुष्ट....तब छात्र कर लें पुनर्मूल्यांकन

सीबीएसी बोर्ड 12वीं के छात्रों को दे रहा मौका

नई दिल्ली ।

सीबीएसी बोर्ड रिजल्ट 13 मई, 2024 को जारी किए गए थे। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं, 12वीं रिजल्ट एक साथ जारी किए थे। बड़ी संख्या में छात्र अपने बोर्ड परिणाम से असंतुष्ट हैं। सीबीएसई बोर्ड ने इन छात्रों के लिए पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीबीएसई बोर्ड की अधिकारी वेबसाइट पर कक्षा 12वीं पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया से संबंधित नोटिफिकेशन जारी किए हैं। रीइवैल्युएशन की प्रक्रिया स्टेप बाय स्टेप प्रोसेस है। इसका साफ मतलब है कि एक चरण पूरा होने के बाद दूसरे के लिए आवेदन कर सकते है। अगर आप पहले स्टेप के रिजल्ट से संतुष्ट हैं, तब आगे के लिए आवेदन न करें। यह प्रक्रिया ऑनलाइन मोड में ही पूरी की जा सकती है। सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा देने वाले जो भी स्टूडेंट्स अपने रिजल्ट से संतुष्ट नहीं हैं, वह कॉपियों की पुनः जांच के लिए पर आवेदन कर सकते हैं।

इसतरह कर सकते हैं आवेदन

1.अंक सत्यापन -सबसे पहले ऑनलाइन मोड में मार्क्स के वेरिफिकेशन के लिए आवेदन करना होगा। इसके लिए आपको सीबीएसई की अधिकारिक बेवसाइट पर डायरेक्ट लिंक मिल जाएगा। इस प्रोसेस में आपके नंबरों का टोटल चेक किया जाता है कि कहीं उसमें कोई गलती न हो। इसके बाद नए अंक (जो कम, ज्यादा या उतने ही हो सकते हैं), रिलीज किए जाते हैं। स्टूडेंट चाहे तब इसे एक्सेप्ट कर सकता है या आंसर-शीट की फोटोकॉपी भी मंगवा सकता है। इसके लिए 17 मई से 21 मई की अवधि तय की गई है।

2.फोटोकॉपी चेकिंग- सीबीएसई बोर्ड से आंसर शीट की फोटोकॉपी मंगवाने के बाद स्टूडेंट को उसे चेक करना होता है। अगर वह अपने नंबरों से संतुष्ट हैं और कहीं कोई गड़बड़ नहीं नजर आ रही है, तब प्रोसेस को यहीं खत्म कर सकते हैं। इसके लिए 1 और 2 जून 2024 तक का समय दिया जाएगा। अगर मार्क्स से या कॉपी चेकिंग से संतुष्ट नहीं हैं तब रीइवैल्युशन के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसका मतलब है कि कॉपी फिर से चेक की जाएगी। यह प्रक्रिया 6 और 7 जून 2024 को पूरी की जाएगी।

3.फाइनल रिजल्ट- रीइवैल्युएशन प्रक्रिया के बाद अगर स्टूडेंट का 1 भी नंबर कम या ज्यादा होता है, तब छात्र को वहीं स्वीकर करना होगा। इस बात को गांठ बांध लें कि अगर आपके अंक पहले हासिल किए गए अंकों से कम होते हैं, तब भी रीइवैल्युएशन का परिणाम ही फाइनल माना जाएगा। इस बदलने का कोई ऑप्शन नहीं मिलेगा। हर चरण के लिए स्टूडेंट को ऑनलाइन मोड में अप्लाई करना होगा। यह पूरी प्रक्रिया ऊपर बताए गए स्टेप्स के अनुसार ही होगी।

4.मार्कशीट अपडेट- मार्क्स वेरिफिकेशन और रीइवैल्युएशन की इस पूरी प्रक्रिया के दौरान स्टूडेंट को अपनी मार्कशीट बोर्ड के पास सरेंडर करनी होगी। इसलिए अपना प्रेजेंट रिजल्ट बोर्ड को सौंपने के बाद ही इस प्रोसेस के लिए अप्लाई करें। सीबीएसई 12वीं वेरिफिकेशन के लिए 500 रुपये शुल्क जमा करना होगा।

यूपी में भीषण गर्मी से लोग बेहाल, आईएमडी ने जारी किया हीटवेब का अलर्ट

- कानपुर में पिछले 24 घंटे के दौरान 45 डिग्री अधिकतम तापमान रिकॉर्ड किया गया

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के लोगों को गर्मी से राहत के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। अभी तक प्रदेश में तापमान बढ़ने से ही लोग परेशान थे, लेकिन अब हीटवेव भी चलने का अलर्ट जारी कर दिया गया है। लखनऊ मौसम केंद्र के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि पूरे प्रदेश में हीटवेव का अलर्ट जारी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि तापमान अभी और बढ़ेगा। फिलहाल प्रदेश में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस चल रहा है। कानपुर शहर में पिछले 24 घंटे के दौरान 45 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रिकॉर्ड किया गया है, जबकि सभी जिलों का न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस चल रहा है। दिन और रात का तापमान लगभग बराबर होता हुआ नजर आ रहा है।

कानपुर के के बाद आगरा और झांसी सबसे गर्म जिले रिकॉर्ड किए गए हैं। यहां का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड किया गया है, जबकि लखनऊ में 43 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। उन्होंने बताया कि गर्मी से फिलहाल अभी कोई राहत मिलती हुई नजर नहीं आ रही है। लखनऊ मौसम केंद्र की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक लखनऊ का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहेगा। वहीं बाराबंकी, हरदोई, कानपुर शहर, कानपुर देहात, लखीमपुर खीरी, गोरखपुर और वाराणसी समेतबलिया चुर्क, बहराइच और प्रयागराज में न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस से लेकर 24 डिग्री सेल्सियस के बीच ही रहेगा जबकि इन जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से लेकर 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का पूर्वानुमान है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत में पुल के हाईटेक निरीक्षण के लिए ड्रोन उड़ाए जाएंगे, रिपोर्ट के बाद होगी मरम्मत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत शहर डायमंड सिटी के बाद ब्रिज सिटी बनता जा रहा है और शहर में सवासो जितने छोटे-बड़े ब्रिज हैं. इस पुल की मरम्मत के लिए समय-समय पर सर्वे का काम किया जाता है. हालाँकि, अब सूरत नगर पालिका ब्रिज सर्वेक्षण में अधिक आधुनिकता का उपयोग कर रही है. अब सूरत नगर पालिका शहर के पुलों की स्थिति जानने के लिए ड्रोन कैमरों का उपयोग कर रही है. इस सर्वे के बाद अगर पुल की मरम्मत की जरूरत होगी तो तुरंत मरम्मत कराई जाएगी. ब्रिज सिटी के नाम से मशहूर सूरत नगर निगम द्वारा ब्रिज का प्री-मानसून हाईटेक सर्वे कराया जा रहा है.

ब्रिज सेल अधिकारी जयांग रामजीवाला ने बताया कि मोरबी में ब्रिज हादसे के बाद राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी की थी कि आपके शहर में पुलों की मरम्मत और रखरखाव के लिए एक सर्वेक्षण की आवश्यकता है. इसलिए २०२३ से प्री-मानसून और पोस्ट-मानसून यानी दो सर्वेक्षण करना शुरू किया गया है. फिर टेंडर जारी की गईं और सभी पुलों का सर्वेक्षण करने के लिए तीन कंसलटेंट को नियुक्त किया गया. आगे कहा गया कि सूरत शहर में कुल १२४ पुल हैं. जिसमें से ११७ पुलों का सर्वे किया गया. कुल चार श्रेणियां बनाई गईं. नंबर एक श्रेणी में वे पुल आते हैं जिन्हें मरम्मत की आवश्यकता नहीं होती है. दूसरी श्रेणी में केवल मामूली मरम्मत की आवश्यकता होती है. तीसरी श्रेणी में वे पुल शामिल हैं जिनकी आगे जांच की आवश्यकता है. उसके बाद उसके रख-रखाव का आकलन कर सूचित करना होगा. जबकि चौथी श्रेणी में अगर कोई पुल है तो उसे तुरंत बंद कर मरम्मत कराना जरूरी है.

सूरत शहर के १२४ पुलों में से सात पुल पहुंच योग्य नहीं हैं. इसलिए ११७ पुलों का सर्वेक्षण किया गया. ६० पुल ऐसे हैं जिन्हें मरम्मत की जरूरत नहीं है. जबकि दूसरी श्रेणी में १९ पुल हैं जिन्हें सामान्य मरम्मत की जरूरत है. जबकि तीसरी श्रेणी में ३० पुल शामिल हैं. साथ ही एक भी पुल ऐसा नहीं है जिसे तत्काल बंद कर मरम्मत की जरूरत हो. श्रेणी तीन के पुलों में से चार पुलों की अभी मरम्मत चल रही है. १० पुलों की मरम्मत के टेंडर आ गए हैं. बाकी पुल अलग-अलग सर्वेक्षण के अधीन हैं. इस वर्ष प्री-मानसून ब्रिज सर्वे शुरू किया गया है. ड्रोन का उपयोग उन स्थानों पर निगरानी के लिए किया जा रहा है जहां आसानी से पहुंचा नहीं जा सकता. इस निरीक्षण के बाद रिपोर्ट बनाई जाएगी और उसके बाद मरम्मत कराई जाएगी.

अनियमित्ताओं के चलते व्यापारीयों का पैसा फंस रहा हैं

कपड़ा बाजार के एजेंट भाईयों ने आढ़तिया कपड़ा एसोसिएशन में लगाई गुहार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत का व्यापारी उधारी का पैसा फसाने की समस्या से सबसे ज्यादा परेशान है. ऐसे ही एजेंट भी व्यापार में हो रही अनियमित्ता को लेकर एकेएएस के पास पहुंचे. जिसमें उन्होंने जानकारी दी कि सूरत के कपड़ा बाजार के व्यापारियों की गलती के कारण बाहर की मंडी के व्यापारियों में पैसा फंस रहा है. एजेंटों ने एसोसिएशन को बताया कि बाहर के एक ही व्यापारी को २ अलग-अलग एजेंट से कपड़ा ले जाना और वह रेट डिफरेंस व धाराधोरण में फरक होता हैं. इस प्रकार की कई शिकयतें मिल रही है. इसके साथ- साथ एजेंटों ने बताया कि पेमेंट आने पर भी सप्लायर व्यापारी अक्सर जमा की जानकारी नहीं देते और दलाली को लटकाया रखना एक आदत सी बनी हुई है. हिसाब मांगने पर ६-६ महीने और साल-साल भर लगा देते हैं. १० से १५ बार जाने के बाद भी हमें दलालीका भुगतान बड़ी मुश्किल से मिल पता है. एसोसिएशन ने सभी आग्रह को संज्ञान में लेते हुए बताया कि सूरत के सप्लायर व्यापारी भाईयों से बातचीत करने के बाद जल्द ही इन बातों को ध्यान में लाया जाएगा और सुधार के लिए बात की जाएगी.

अग्रवाल विकास ट्रस्ट, सूरत महिला शाखा द्वारा हिन्दी तिथियों और व्रतों के महत्व पर सेमिनार का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल विकास ट्रस्ट, सूरत महिला शाखा द्वारा हिन्दी तिथियों और व्रतों के महत्व पर सेमिनार का आयोजन हुआ. सेमिनार का आयोजन गुरुवार को शाम चार बजे से सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन के बोर्ड रूम में किया गया. सेमिनार में ज्योतिषाचार्य जोशी अशोक सोमेश्वर ने आज की परिस्थितियों पर बताया. साथ ही अब हर त्यौहार दो दिन मनाया जाता है. साथ ही इसकी सही तिथियों को कैसे पहचाने और बदलाव लाकर अपने जीवन को कैसे सुचारू रूप से चलाएं और कैसे अपनी परंपराओं और संस्कारों से जुड़े रहे और और कैसे अपने बच्चों को इन सब से जोड़ें आदि के बारे में विस्तार से बताया. सेमिनार में महिला शाखा की अध्यक्षा शालिनी कानोडिया, दीपाली सिंहल, आरती मित्तल, सरोज अग्रवाल, सीमा कोकरा सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहें.

सड़क पर बेहोश पड़ी लड़की को मुंह से सांस और CPR देकर महिला पुलिस ने बचाई जान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत समेत पूरे राज्य में अचानक बेहोश होकर गिरने और मौत के मामले बढ़ रहे हैं. इनसब के बीच सूरत में महिला पुलिस का सराहनीय कार्य सामने आया है. शहर के चौकबाजार स्थित अखंड आनंद कॉलेज के पास एक लड़की की तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई. तभी वह ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने तुरंत लड़की को सीपीआर दिया. इसके बाद लड़की को पुलिस जीप से इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया. वह पता चला है कि लड़की की तबीयत अब ठीक है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के चौकबाजार पुलिस स्टेशन के एलआर, हेड कांस्टेबल, होम गार्ड समेत स्टाफ ड्यूटी पर थे. इसी बीच अखंड आनंद कॉलेज के पास करीब २२ वर्षीय लड़की की तबीयत बिगड़ गयी और वह बेहोश होकर गिर गयी. इतना देख ऑन-ड्यूटी हेड कांस्टेबल जागृति काठड और एलआर वैशाली काचरिया तुरंत मौके पर पहुँची और लड़की को मुंह से सांस और सीपीआर देना शुरूकिया. उसी समय चौकबाजार पीआई वी. वी वागड़िया भी वहां राउंड पर निकले थे. एकत्र हुई भीड़ को देख वह भी पहुचे फिर उन्होंने एम्बुलेंस का इंतजार किए बिना तुरंत लड़की को पुलिसकर्मियों के साथ अपनी पुलिस जीप में अस्पताल में इलाज के लिए लेकर गए और लड़की के परिवार को सूचित किया. पता चला है कि अब तबीयत ठीक है. महिला पुलिसकर्मी ने बताया कि उन्हें पुलिस प्रशिक्षण के दौरान सीपीआर देना सिखाया गया था. उन्होंने कहा, "आज हमारी ट्रेनिंग से किसी की जान बच गई है." इस घटना से लोगों ने महिला पुलिसकर्मी की प्रशंसा की. लोगों कहा कि महिला पुलिसकर्मी की त्वरित कार्रवाई से जान बच गई.

पुलिस ने पकड़ कर सबक सिखाया

बोलेरो पिकअप के बोनट पर सवार एक युवक कैमरे की ओर देखते ही गाड़ी में घुस गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत पुलिस ने खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों पर नजरें टीका रखी है. जिसमें पहले भी वाहन चालकों और बाइक चालकों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की गई है. नाबालिगों को बाइक चलाते पकड़े जाने पर उनके अभिभावकों पर भी कार्रवाई की गयी है. इन सबके बीच डिंडोली ब्रिज पर एक युवक को पूरी रफ्तार से दौड़ रही पिकअप के बोनट पर असुरक्षित तरीके से सवारी करते देखा गया. सड़क से गुजर रहा एक शख्स इस घटना का वीडियो अपने मोबाइल फोन बना रहा था जब बोनट पर बैठे युवक को पता चला कि उसका वीडियो बनाया जा रहा है तो वह तुरंत तेजी से बंदर स्टाइल में चलती बोलेरो पिकअप के अंदर चला गया. गौरतलब है कि इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था. यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद डिंडोली पुलिस हरकत में आई और कुछ ही घंटों में युवक और ड्राइवर को गिरफ्तार कर माफी मंगावाई.

ऐसी खतरनाक सवारी से दुर्घटनाओं का उच्च जोखिम होता है और दूसरों के जीवन को खतरा होता है. हालांकि पूरी घटना के बाद वीडियो वायरल होने के बाद डिंडोली पुलिस तुरंत एक्शन में आई और वीडियो के आधार पर पुलिस ने तुरंत मुकेश संजय बुवा और नौशाद नईमखान आलम को तलाश कर गिरफ्तार कर लिया और उन्हें कानून के प्रति जागरूक किया.

तैराकी प्रशिक्षण ले रहे अग्निशमन विभाग के कर्मियों के लिए तापी नदी का जलकुंभी बना आपदा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, नगर निगम के अग्निशमन विभाग के कर्मियों को तैरने और डूबते लोगों को बचाने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए कॉज़वे का उपयोग किया जाता है. पिछले कुछ दिनों से नगर निगम अग्निशमन विभाग के कर्मचारी प्रशिक्षण के लिए कॉजवे आ रहे हैं, लेकिन यहां जमा हुई जलकुंभी आपदा बनती जा रही है. तापी नदी के कोजवे के पास जलकुंभी जमा हो जाने से दुर्गंध आने के कारण सूरत नगर निगम के दमकलकर्मियों को इस स्थिति के बीच तैराकी प्रशिक्षण लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है.

सूरत नगर निगम के अग्निशमन कर्मियों को कॉजवे पर जल संचालन के लिए सभी प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है.

वराछा में भीषण आग से पुलिस द्वारा जब्त की ११ गाड़ियां जलकर खाक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, वर्तमान में गर्मी का मौसम होने के कारण आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं. इनसब के बीच सूरत के वराछा क्षेत्र में रूस्ष्ट की पार्किंग के पीछे के भाग में आग लगने की घटना बनी. घटना में पुलिस द्वारा जब्त किए गए वाहनों में आग लगने से ११ वाहन जलकर खाक हो गए. दमकल टीम मौके पर पहुँची और आग पर काबू पा लिया. जिसके बाद क्षेत्र के रहेवाशियो ने राहत की सांस ली. मिली जानकारी के अनुसार वराछा क्षेत्र में देर रात आग लगने की घटना हुई. रात में फायर कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि वराछा में मिनी बाजार रूस्ष्ट मल्टीलेवल पार्किंग के पिछले हिस्से में अचानक आग लग गई है. पुलिस द्वारा जब्त किए गए वाहनों में आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला. अचानक आग लगने से जब्त किए हुए वाहन जल गये. जिसमें ६ बाइक, ३ मोपेड और २ रिक्शा मिलकर ११ जितने गाड़ियां जल गईं थी. सरथाणा, पुणे और वराछा फायर स्टेशनों की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं. मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीमों ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया और कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया. सौभाग्य से इस अग्निकांड में कोई हताहत नहीं हुआ.